R.N.I. NO.56547/92/MP/HIN/W Email-azadshivpuri2015@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या MP/GNA/50/2019-21
09424609137

करैरा जि. शिवपुरी एंव इंदौर से प्रकाशित

प्रगतिशील ,राष्ट्रवादी विचारधारा का निष्पक्ष साप्ताहिक

आजाद समाचार संकेत

वर्ष- 32, अंक 30 संपादकः बृजेश पाठक करैरा, गुरुवार 01 अगस्त 2024 पृष्ठः 8 मूल्यः 2.5 रुपए

वायनाड में लैंडस्लाइड से अब तक 184 मौत, 170 लापता

केरल को एक हफ्ते पहले अलर्ट किया था, राज्य सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया-शाह

वायनाड

केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 184 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 170 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। लैंडस्लाइड सोमवार देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं। आर्मी, एयरफोर्स, NDRF, SDRF, पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। देर रात तक 1 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को रिहैब सेंटर में भेजा गया है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में आज परेशानी हो सकती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया- 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, सरकार समय रहते लोगों को हटाती तो इतना नुकसान नहीं होता।

सेना ने दो रिसॉर्ट से 19 टूरिस्ट को बचाया

सेना ने मुंडक्कई गांव के बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 टूरिस्ट को बुधवार को निकाला। ये घटना के बाद से यहीं फंसे हुए थे। डिफेंस PRO के मुताबिक, 122 इन्फैंट्री बटालियन (TA) मद्रास के जवानों ने रस्सियों के सहारे सभी नागरिकों को चूरलमाला तक सुरक्षित निकालने के लिए एक मानव पुल बनाया।

स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी, यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं टलीं

हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। 12 जिलों में 30 जुलाई को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई। केरल यूनिवर्सिटी ने 30 और 31 जुलाई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली लोक अदालत लगाईः CJI ने तलाक केस का जिक्र कर कहा-

खुशी तब मिलती है, जब मामले का निपटारा हो जाए

नई दिल्ली

देश में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75वें साल के उपलक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट में लोक अदालत का आयोजन किया गया है। सोमवार (29 जुलाई) को लोक अदालत के पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अध्यक्षता की। इसका आयोजन 29 जुलाई से 3 अगस्त तक किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील बार मेंबर कपिल सिब्बल ने सीजेआई के साथ बेंच शेयर की। लोक अदालत में जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन नायर भी मौजूद रहे। CJI ने लोक अदालत में आए एक मामले का जिक्र करते हुए कहा- मुझे एक मामला याद है जिसमें पति ने पटियाला हाउस कोर्ट में तलाक का केस फाइल किया था। उसकी उसकी पत्नी ने भरण-पोषण की मांग और बच्चों की कस्टडी के लिए भी आवेदन किया था। वे दोनों प्री-लोक अदालत में एक साथ आए थे। दोनों से बात की गई।

लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने असम के राज्यपाल पद की शपथ ली, मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे

असम

आरएसएस और भाजपा के पूर्व सदस्य रह चुके लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार (30 जुलाई) को असम के राज्यपाल पद की शपथ ली। उन्होंने गुलाब चंद कटारिया का स्थान लिया, जिन्हें पंजाब का राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का प्रशासक नियुक्त किया गया है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विजय बिश्नोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को पद की शपथ दिलाई। आचार्य को मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

योगी सरकार ने 12 हजार 209 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ

यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन योगी सरकार ने विधानसभा में 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया है। अनुपूरक बजट का आकार मूल बजट का 1.6 प्रतिशत है। बजट में सर्वाधिक 7500.81 करोड़ रुपये औद्योगिक विकास के लिए आवंटित किया गया है। इसी तरह 2000 करोड़ ऊर्जा विभाग, एक हजार करोड़ परिवहन विभाग को नई बसें खरीदने के लिए बजट प्रस्तावित किया है। इसके साथ ही नगर विकास विभाग की अमृत योजना की सहायता के लिए 600 करोड़, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 करोड़, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 100 करोड़, माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 284 राजकीय इंटर कॉलेजों में लैब की स्थापना के लिए 28.40 करोड़, 1040 राजकीय इंटर कॉलेज में आईसीटी लैब की स्थापना के लिए 66.82 करोड़ की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गयी है।

संसद में जम्मू-कश्मीर का बजट पेश

पिछले साल के मुकाबले 110 करोड़ कम, इंफ्रा और रोड पर फोकस; 370 हटने के बाद 5वां पूर्ण बजट

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार (30 जुलाई) को संसद में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट पेश किया। जम्मू-कश्मीर के लिए फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए 1 लाख 18 हजार 390 करोड़ रुपए का बजट पेश हुआ है। बीते साल यह 1 लाख 18 हजार 500 करोड़ रुपए था। इस साल इसमें 110 करोड़ की कमी आई है। फाइनेंशियल ईयर 2024-35 में जम्मू-कश्मीर के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में 7.5त्न की ग्रोथ और 7,902 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटा (फिस्कल डेफिसिट) रहने का अनुमान है। इससे पहले 5 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिए फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए 1.18 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश किया था। बजट में कहा गया है कि यह जम्मू-कश्मीर के विकास का बजट है। इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को शामिल किया गया है। इसका लक्ष्य जम्मू-कश्मीर

के लोगों की बेहतरी के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास की गति को तेज करना है। प्रदेश में निर्वाचित सरकार नहीं होने की वजह से यह जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट है जो संसद में पेश हुआ है।

जम्मू-कश्मीर के बजट में 5 फोकस पॉइंट

- फिजिकल और सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण
- गवर्नेंस और ग्रासरूट डेमोक्रेसी को मजबूत करना
- सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और इंडस्ट्रियल ग्रोथ को बढ़ावा देना
- एंप्लॉयमेंट जनरेशन और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म को बढ़ाना
- महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद संसद में पेश होता है जम्मू-कश्मीर का बजट

5 अगस्त 2019 को ऑर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेश में बंट गया। पहला जम्मू-कश्मीर और दूसरा लद्दाख। तभी से जम्मू-कश्मीर को बजट संसद में पेश किया जा रहा है। 2018 में जम्मू-कश्मीर का बजट विधानसभा में पेश हुआ था। राज्य में एक बार चुनाव होने के बाद बजट फिर से विधानसभा में ही पेश किया जाएगा। 11 दिसंबर, 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 से पहले केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है।

साधना सक्सेना आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला DG होंगी

एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाली दूसरी महिला; पति भी एयर मार्शल रह चुके

नई दिल्ली

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को बुधवार (31 जुलाई) को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है। साधना 1 अगस्त से पदभार संभालते ही, इस पद पर काम करने वाली पहली महिला बन जाएंगी। पिछले साल अक्टूबर में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस (आर्म्ड फोर्सेज) की डायरेक्टर जनरल (DG) बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं। इससे पहले साधना को एयर फोर्स ट्रेनिंग कमांड बेंगलुरु हेड क्वार्टर से दिल्ली प्रमोशनल ट्रांसफर किया गया था।

बिना परमिशन सूचना दिए हुए अज्ञात लोगों ने रखी भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा

अब शांत मध्य प्रदेश में माहौल को बिगाड़ रहे तथाकथित महापुरुषों के अनुयाई ।

बुजुर्ग महिला ने पुलिस में की शिकायत, बोली. - सरपंच करना चाहता है कब्जा ।

बृजेश पाठक जिला अधिमान्य पत्रकार द्वारा

करैरा । आजाद समाचार । करैरा थाना क्षेत्र में रातोंरात एक निजी प्लॉट पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इतना नहीं समाज से जुड़े लोगों ने बुधवार की सुबह मूर्ति की पूजा अर्चना भी शुरू कर दी। उधर प्लॉट की मालिक महिला ने सरपंच पर जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाए है। महिला ने इसकी शिकायत नगर परिषद करैरा सहित करैरा थाने में दर्ज कराई है। करैरा नगर कृषि मंडी रोड बीएसएनएल टावर के पास निजी प्लॉट के सामने शासकीय जमीन पर रातोंरात स्थापित की गई डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा ।

दूसरी ओर हमारे संवाददाता को करैरा कस्बे की रहने वाली शांति बाई जोशी पत्नी दयाराम जोशी ने बताया कि उसके पति के नाम से पॉवर हाउस के पीछे 400 वर्गफीट का प्लॉट है। उस प्लॉट पर सिलरा पंचायत के सरपंच संतोष जाटव की नजर थी। , बीते 30 जुलाई की रात सरपंच संतोष जाटव मेरे घर आया था और प्लॉट बेचने के लिए बोल रहा था। जब हमने प्लाट बेचने से मना किया तो सरपंच ने प्लॉट कब्जा करवाने की धमकी भी दी थी। महिला का आरोप है कि सरपंच संतोष जाटव ने 30 जुलाई की रात हमारी जमीन पर डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी है। जिसकी शिकायत हमने करैरा तहसील, नगर परिषद और करैरा थाने में दर्ज कराई है।

वही नगर निरीक्षक विनोद छावई ने बताया कि नगर परिषद करैरा द्वारा उपस्थित होकर सीएमओ ने एफआईआर दर्ज करवाई है । जानकारी के अनुसार वहीं नगर परिषद करैरा के सीएमओ पूरन कुशवाह ने गत रोज करैरा थाने में 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ नगर में अवैधानिक रूप से प्रतिमा स्थापित कराए जाने की एफआईआर दर्ज कराई है। करैरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

परंतु भीम आर्मी टीम के कार्यकर्ताओ ने हमारे संवाददाता की पूछने पर बताया कि हमने उनकी देखरेख व सम्मान में उनका वही स्थापित बने रहने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय गत रात्रि बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति टेलीफोन एक्सचेंज के निकट शासकीय भूमि पर अज्ञात लोगों ने स्थापित की है परंतु जैसे ही भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं को सुबह पता चला उन्होंने मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनके मान सम्मान की रक्षा करने का संकल्प लिया है। भीम आर्मी के तमाम कार्यकर्ताओं का प्रशासन व हिंदू भाइयों पर आरोप है की करैरा नगर परिषद क्षेत्र में तमाम मंदिर कैसे बन गए कभी प्रशासन ने इन मंदिर संचालकों से अनुमति की बात नहीं पूछी । शिवपुरी जिले में जिस प्रकार महापुरुषों की प्रतिमाएं बिना शान स्वीकृति के रखी जा रही है । इस प्रकार के कृत से तो प्रतीत होता है की महापुरुषों को जातियों में जखड़ लिया है उन्हीं के कुछ छदम अनुयायियों ने । वही शांत मध्य प्रदेश के माहौल को भी तहस-नहस करने का संकल्प भी शायद ऐसे ही सर्फस लोग ले रहे हैं । समय को भापते हुए सभी जनप्रतिनिधियों को सरकार को अवगत कराना चाहिए की कोई ऐसा नियम बनाएं जिसमें सभी महापुरुषों को सम्मान मिले उनका अपमान हर कोई करने का प्रयास न करें ।

इनका क्या कहना है

हमें जानकारी है, किन्हीं अज्ञात लोगों ने महापुरुष भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा किसी की स्वामित्व की भूमि में रख दी है नगर पालिका एवं राजस्व विभाग मिलकर देखते हैं की भूमि सरकारी है या स्वामित्व की नगर पालिका अधिकारी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कर दी है ।

सुश्री प्रियंका शर्मा तहसीलदार करैरा

मेरी प्रशासन से चर्चा हुई है शासन के नियम अनुसार कार्रवाई की जाए है।

रमेश प्रसाद खटीक
विधायक विधानसभा क्षेत्र करैरा

करैरा नगर परिषद के अधिकारी श्री कुशवाहा जी द्वारा आवेदन पत्र दिया था । जिस पर से प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है । हां एक शांतिबाई जोशी पत्नी दयाराम जोशी निवासी करैरा ने भी शिकायत की है की संतोष सरपंच ग्राम बरसौढी सिलरा मेरी प्लाट मकान को औनेपौने दामों में खरीदना चाहता था जब मैंने नहीं दिया तो उसने मुझे परेशान करने की उद्देश्य से एक षड्यंत्र किया है ।

विनोद छावई नगर
निरीक्षक करैरा

करैरा चलत न्यायालय मोबाइल कोर्ट चेकिंग के दौरान रेत से भरे 11 ट्रैक्टर ट्राली पकड़े

करैरा। आजाद समाचार ।

गत रोज श्री कृष्ण बुखारिया जी न्यायाधीश ने चलत न्यायालय मोबाइल कोर्ट (मजिस्ट्रेट) चेकिंग दौरान अवैध रूप से रेत का परिवहन ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रालियों को पड़कर करैरा क्षेत्र में कानून का डंका बजा दिया । स्थानीय बुद्धिजीवी लोगों ने इस कार्य पर न्यायालय की भूर -भूर प्रशंसा की है ।

दूसरी ओर राजस्व ,पुलिस एवं खनिज विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी अवैध रेत परिवहन मैं सन लिप्त ट्रैक्टर ट्रॉलियों को न जाने क्यों संरक्षण दिए थे । मध्य प्रदेश शासन के नियम के अनुसार कृषि कार्य के लिए संचालित ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग व्यापारिक कार्य में नहीं किया जा सकता । व्यापारिक कार्यों के लिए परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक था एवं जीएफ सिस्टम भी रेत परिवहन करने वाले वाहनों में आवश्यक है ।

इनका क्या कहना

माननीय न्यायाधीश द्वारा 11 ट्रैक्टर ट्रालियों को ओवरलोड अवैध रेत का परिवहन करते हुए पड़ा है । पकड़े हुए बालों को खनिज विभाग के लिए सुपरत कर दिया है कार्रवाई हेतु ।

विनोद छावई
नगर निरीक्षक करैरा

महिलाओं को बराबरी का हक देने से ही मिटेगी असमानता

बृजेश पाठक संपादक करैरा

आजादी के करीब 77 साल बाद भी यदि हम लैंगिक समानता के मामले में दुनिया में 77वें स्थान पर भी नहीं आ पाए हैं तो मानना पड़ेगा कि तमाम वादों और दावों के बावजूद इस मामले में रफ्तार अभी बहुत धीमी है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली भी है और हमें सीख देने वाली भी। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि भारत में आर्थिक लैंगिक समानता का स्तर बहुत कम है। साफ शब्दों कहा जाए तो 146 देशों में हम 129वें नंबर पर ठहरते हैं। भारत में औसतन पुरुषों की 100 रुपए कमाई के मुकाबले महिलाएं 39.80 रुपए ही कमाती हैं।

कमाई के मामले में इस पिछड़ेपन की बड़ी वजह महिलाओं को उनके श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलना भी रहा है। भारत में जिस कार्य के लिए पुरुषों को 100 रुपए मिलते हैं, उसी काम के लिए महिलाओं को केवल 52 रुपए मिलते हैं। खास बात यह कि आर्थिक लैंगिक समानता के मामले में हम पिछले साल 127वें नंबर पर थे लेकिन अब 129वें स्थान पर जा पहुंचे हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि देश में महिलाओं के खाते में अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां शामिल हैं फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि महिलाओं को उनका हक दिलाने में जिस गति से काम किया जाना था हो नहीं पाया है ।

फोरम की रिपोर्ट से एक बात तो साफ हो जाती है कि महिला उत्थान की तमाम बातों के बावजूद देश में यह असमानता दुनिया में हमें सवालों के कटघरे में खड़ा तो करती ही है, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ?

ऐसा पुरुष प्रधान मानसिकता के कारण है ? या फिर सरकारें और प्रशासन इस दिशा में ठीक से काम नहीं कर पा रहीं ? हमारे भारत देश में महिलाएं आज राजनीति से लेकर प्रशासनिक उच्च पदों पर काबिज हैं। महिला संगठन भी अपने-अपने तरीके से असमानता की इस खाई को दूर करने के लिए अनेक अभियान भी चल रहे हैं। इसके बावजूद संवाल यही खड़ा होता है कि आखिर हम पिछड़ क्यों रहे हैं ? क्या सरकारी योजनाओं में खामी है या फिर योजनाओं में जान-बूझकर अड़ंगा लगाया जा रहा है ? वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में आने के हमारे लक्ष्य में यह असमानता बाधक हो सकती है।

इस बाधा को दूर करने के लिए सबसे पहला काम महिलाओं की सत्ता में भागीदारी बढ़ाने का होना चाहिए। चिंता इस बात की ही है कि आज भी आधी आबादी की सत्ता में भागीदारी 15 फीसदी से आगे नहीं बढ़ पा रही। जिस दिन समुचित भागीदारी हो जाएगी, असमानता दूर होने की प्रक्रिया स्वत: ही दूर हो जरूरत इस दिशा में ईमानदारी से काम आगे बढाने की है।

लाखों की चोरी मकान के पीछे परिवार समेत खेत पर काम कर रहा था किसान परिवार

करैरा । आजाद समाचार ।

शिवपुरी जिले के करैरा अनु विभाग के अमोला थाना क्षेत्र के सिरसौद पंचायत के ग्राम मजरा टोकनपुरा में किसान के घर से दिन दहाड़े लाखों की चोरी हो गई। किसान ने गत सोमवार को अमोला थाने में शिकायत दर्ज कराई। टोकनपुरा मजरा गाँव के रहने वाले किसान मनीराम लोधी ने बताया कि रविवार को वह परिवार के साथ घर के पीछे खेत में गुड़ाई कर रहे थे। शाम को जब घर लौटा तो ताला टूटा हुआ था। घर में रखे 1 लाख 65 हजार रुपए और करीब 1 लाख की कीमत के सोने ङ्क चाँदी के जेवरात चोरी हुए हैं। बेटे नितेश लोधी ने बताया कि चोरों ने ताला तोड़ने के लिए बाहर रखी कुल्हाड़ी और कृषि औजारों का इस्तेमाल किया। चोर 1 लाख 65 हजार रुपए और सोने का मंगलसूत्र सोने की झुमकी सहित चाँदी चुरा कर ले गए।

आरोप : युवती की वीडियो वायरल करने के बाद लड़की के परिजनों ने भाई की हत्या कर फाँसी पर लटकाया

शिवपुरी । आजाद समाचार ।

करैरा विधानसभा थाना अमोला के एक युवक ने पिछले दिनों फाँसी के फन्दे पर लटके मिले अपने भाई के शव के मामले में लड़की के परिजनों पर भाई की हत्या करने और उसे फॉसी के फन्दे पर लटकार आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाते हुए पुलिस कप्तान से गत मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत की है। उसके भाई के शव सकरकुँआ के जगल में रोड किनारे फन्दे पर लटका मिला था। बताया कि घटना के बाद थाना अमोला में शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं हुई इस लिए दोषी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर जेल भिजवाये जाने तथा जान माल की सुरक्षा करने की मांग को एसपी से गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार रविंद्र गुर्जर पुत्र विशाल सिंह गुर्जर निवासी ग्राम दीवट

पुलिस कप्तान के पास जनसुनवाई में पहुँचा मृतक प्रेमी का भाई परिवार लेकर

थाना अमोला ने एसपी को आवेदन देते हुए बताया कि मेरा भाई पुष्पेन्द्र गुर्जर 21 जुलाई 2124 सुबह 9 बजे घर से निकला तथा मेरे चाचा के पुत्र संदीप गुर्जर को फोन आया कि पुष्पेन्द्र को मोहन सिह संहित उसके परिवार के लोग व मामा के लड़के बेरहमी से मार रहे है। इसके बाद रविंद्र व परिजन ग्राम के मोहनसिंह गुर्जर के घर घर गये थे तो कोई नहीं मिला जब खेत पर गये तो मोहनसिंह व उसके परिजनों के द्वारा भयभीत होकर कहा था कि पुष्पेन्द्र को हसने तीन माह से नहीं देखा है और नहीं है। आरोप है कि उसके बाद परिजनों व रविंद्र ने अपने भाई को ढूंढने का हर सम्भव प्रयास किया किन्तु कोई सुराग नहीं मिला । उसी दिन सोशल साइट पर पुष्पेंद्र व एक युवती का वीडियो मोहन सिंह गुर्जर के द्वारा वायरल किया गया । पुष्पेन्द्र उस युवती से प्रेम करता था । रविंद्र ने बताया मुझे विश्वास है कि मेरे भाई की अरोपी गणो ने षड्यंत्र कर हत्या कर दी है । और हत्या को हादसा बताया गया है । रविंद्र मां उसके परिजनों द्वारा थाना अमोल में आरोपी गन की वृद्धि शिकायत की गई थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । और ना ही तक समय पंचनामा बनाया गया था । और ना ही आरोपी गानों की विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। दूसरी ओर बताया कि आरोपीगण ग्राम में दबंग और संख्या बल में अधिक है धनबल से संपन्न है और राजनीतिक प्रभाव वाले व्यक्ति है इसलिए मेरे भाई की हत्या के मामले में कोई रिपोर्ट आरोपी गणों के विरुद्ध दर्ज नहीं की गई एसपी को सौंप आवेदन में मांग की है कि मेरे भाई पुष्पेंद्र गुर्जर के मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस कर जांच कराई जाए निष्पक्ष और ईमानदारी से ।

श्रावण मास दूसरे सोमवार शिवमय हुआ शिवपुरी जिला भक्तों का उमड़ा मंदिरों में सैलाब

करैरा । आजाद समाचार ।

करैरा,नरवर, पिछोर एवं शिवपुरी में सावन के दूसरे सोमवार पर सुबह से ही शिव मंदिरों में भीड़ रही। करैरा अचलेश्वर महादेव सिद्धेश्वर, गुप्तेश्वर, व किलेश्वर महादेव , नरवर 14 महादेव और शिवपुरी शहर में सिद्धेश्वर महादेव, बाणगंगा, बामदेव आदि मंदिरों पर सुबह 4 बजे से भक्तों की लाइन %लग गई थी। बाबा अचलनाथ की एक झलक पाने के लिए लोग धूप और उमस के बीच लाइनों में खड़े नजर आए। बाबा के भक्तों ने बिल्व पत्र, फूल, दूध, दही, घी एवं जल से भगवान का अभिषेक कर मन्नत मांगी। (अचलेश्वर मंदिर), किलेश्वर महादेव व गुप्तेश्वर मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव आदि मंदिरों पर रात 10 बजे ही भक्तों के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए थे।

जहाँ हर कोई भगवान शिव के दर्शन और पूजन के लिए उमड़ पड़ा था। भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा और फूलों की मालाएँ लेकर भगवान शिव को अर्पित की। इस दिन को लेकर मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी और पूजा अर्चना के लिए विशेष आयोजन किए गए थे। शिव मंदिरों में शिव अभिषेक का भव्य आयोजन हुए। जिले के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। शहर के प्रसिद्ध महादेव मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, बमदेव मंदिर, और करैरा की क्लेशेश्वर महादेव, एवं नरवर में 14 महादेव मंदिर में विशेष पूजा- अर्चना की गई।

सावन का महीना भगवान शिव की उपासना के लिए विशेष माना जाता है। इसी परंपरा के अनुसार, हर साल शिव भक्त इस महीने में व्रत रखते हैं और मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। इस साल भी इस परंपरा को निभाते हुए भक्तों ने विभिन्न मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक किया।

इस दिन की खास बात यह रही कि मंदिरों के बाहर बेलपत्र, धतूरा, और फूल मालाएँ बेचने वाले गरीब लोगों को भी अच्छी आमदनी हुई। भक्तों ने इन वस्तुओं को बड़े उत्साह से खरीदा और भगवान शिव को अर्पित किया। इस प्रकार, जहां एक ओर धार्मिक आयोजन की गरिमा और महत्व बढ़ गया, वहीं दूसरी ओर छोटे व्यवसायी और गरीब लोग भी इस दिन का लाभ उठा सके। पूरे शहर में सावन के दूसरे सोमवार को धार्मिक उत्साह का माहौल था। शहरवासियों ने भी एक साथ मिलकर इस धार्मिक पर्व को मनाया और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन के इस महत्वपूर्ण दिन पर करैरा सहित जिला शिवपुरी के हर कोने में भगवान शिव की महिमा और भक्तों की श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस दिन को लेकर ग्राम कस्वा एवं शहर में भक्तिपूर्ण वातावरण बना रहा और हर कोई भगवान शिव के आशीर्वाद से भरपूर होकर लौटा।

जिले में अभी तक 460.40 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी, । शिवपुरी जिले में 01 जून 2024 से अभी तक 460.40 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 429.58 मि.मी.औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 836.54 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने बताया कि अभी तक शिवपुरी में 415.30 मि.मी., बैराड़ में 423 मि.मी., पोहरी में 414 मि.मी., नरवर में 558 मि.मी., करैरा में 338 मि.मी., पिछोर में 530 मि.मी., कोलारस में 541.10 मि.मी., बदरवास में 469.20 मि.मी. तथा खनियाधाना में 455 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में बैठक 5 अगस्त को होगी

शिवपुरी। आजाद समाचार । जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य आयोजन के सिलसिले में रूपरेखा तय किए जाने एवं अधिकारियों को दायित्व सौंपे जाने हेतु 5 अगस्त सोमवार को दोपहर 12 बजे जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी।

स्टेशनरी एवं लेखन सामग्री की दरों के निर्धारण हेतु निविदा 4 अगस्त तक आमंत्रित

शिवपुरी, । कलेक्टर कार्यालय एवं अन्य विभागों के दैनिक उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्टेशनरी एवं लेखन सामग्री की दरों के निर्धारण हेतु 4 अगस्त शाम 5 बजे तक मुहरबंद निविदायें कलेक्टर कार्यालय शिवपुरी में आमंत्रित की गई है।

डिप्टी कलेक्टर ममता शाक्य ने बताया कि निविदा की शर्ते, निविदा फार्म तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालय की नाजिर शाखा से प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त निविदायें 6 अगस्त को दोपहर 02 बजे तक कलेक्टर कार्यालय शिवपुरी के सभाकक्ष में उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जाएगी। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विज्ञापन, शर्ते व आवेदन का प्रारूप इत्यादि का विवरण बेवसाइट ह्यद्धद्ध1श्चह्लद्धह्वह्म्.द्गश्ाष्.द्बठ्ठ पर एवं कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

शैक्षणिक कार्यों हेतु अतिथि शिक्षकों के पदों के लिए 7 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

शिवपुरी, 1 अगस्त । आजाद समाचार जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर शिवपुरी में शैक्षणिक कार्यों हेतु विभिन्न विषयों के 4 रिक्त पदों के लिए अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन ग्वालियर रोड मेडीकल कॉलेज के पास स्थित सीएम राईज स्कूल के पीछे स्थित कार्यालय प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर शिवपुरी में 7 अगस्त तक प्रात 10.30 से अपराह्न 04 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर शिवपुरी के प्राचार्य ने बताया कि शासकीय कन्या शिक्षा परिसर शिवपुरी में कक्षा 06 से कक्षा 12वीं तक की कक्षाएं संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक रिक्त पदों के विरूद्ध कार्य करने हेतु शासन के निर्देशानुसार अतिथि शिक्षकों से सेवाएं ली जानी है। इच्छुक अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक्त योग्यताओं की छायाप्रति, जीएफएमएस पोर्टल से जारी किया हुआ स्कोर कार्ड एवं शासकीय या अशासकीय विद्यालयों में अध्यापन के अनुभव प्रमाण पत्र के साथ संबंधित संस्थान में निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रस्तुत करें। रिक्त पदों में विषय राजनीति शास्त्र वर्ग-1 के लिए एक पद, हिन्दी वर्ग-2 में एक पद, अंग्रेजी वर्ग-2 में एक पद, संगीत शिक्षक वर्ग-3 में एक पद रिक्त है। उक्त पदों के लिए मानेदय शासन नियमानुसार रहेगा।

नशे की गिरफ्त में बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी

शिवपुरी । आजाद समाचार ।

जनपद पंचायत करैरा के ग्रामों में इस समय युवा वर्ग नशे की चपेट में दिन प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा वर्ग ने नशे को अपना मित्र बना लिया है नशे के पदार्थों ने युवा पीढ़ी को बर्बादी के हासिए पर लाकर खड़ा कर दिया है। नगर के एवं ग्रामों के ऐतिहासिक स्थल ऐसे हैं नशेड़ियों के लिए उनके घर बन चुके है।

इन स्थलों पर शाम होते ही इनकी महफिले गुलजार होने लगती हैं ।नगर परिषद् द्वारा नगर के ऐतिहासिक स्थलों में रोशनी की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अब शाम के समय रोशनी न रहने से वहा पर गाँजा, शराब, नशे के इंजेक्शन, नशे की गोली, थिनर जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले नशेड़ियों की महफिल सजने लगती हैं। इन नशेड़ियों को जहाँ एकान्तवास मिलता है, ये अपनी महफिल वही जमा कर बैठ जाते है। गाँजा हमारे नगर नया अमोला , एवं दिनारा में खुले आम बिक रहा हैं, जिसकी वजह से युवाओं का खुले आम अपना भविष्य बर्बाद करने के लिए उपयोग कर रही है। नशे में मस्त युवा नगर की सड़कों पर कर रहा मौत का खेल ।

शाम के समय लोग खरीदारी करने के लिए बाजार आते है और यही नशेड़ियों की टोली तेज रफ्तार से दोपहिया वाहन सड़कों पर बिना हेल्मिट और बिना लाइसेंस के सरपट दौड़ाते हुए पाए जाते है जिससे कई बार राहगीर और पशुओं को दुर्घटना का शिकार होना पड़ता हैं। ग्रामीण समाज में ज्यादातर अपराध नशे की वजह से अंजाम दिए जाते है। जब लोगों की नशों में खून की जगह नशा दौड़ता है तो परिवार और समाज पतन की तरफ चले जाते हैं। जो युवा अपनी रचनात्मक और काबिलियत कार्यों की वजह से समाज को ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं वही युवा नशे की वजह से समाज पर बोझ बनकर इसे खोखला और कमजोर बना देते है। जहाँ एक और भारत सरकार नशा मुक्त भारत के ऊपर काम कर रही है , वही प्रशासन अपनी आंखो पर पट्टी बाँध कर मूक बना बैठा है। अब देखना ये होगा कि क्या प्रशासन की आँखे खुलती है या ऐसे ही सब चलता रहेगा। बिना शासन स्वीकृति के आज वर्तमान समय में शराब माफिया आबकारी विभाग और पुलिस के थाना प्रभारी से मिलकर प्रत्येक ग्रामों में अवैध, अवैध शराब कमिशन एजेंट बनकर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बेच रहे हैं । क्या आबकारी विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों को मालूम नहीं है । ग्राम एवं शहरों में अधिकांश अपराध नशे के कारण बढ़ रहे हैं । विडंबना हमारी लाचारी कानूनी व्यवस्था की है , सब कुछ आंखों के सामने घटित होने के पश्चात भी उन बिंदुओं पर कार्रवाई नहीं की जाती जिसके कारण अपराध बढ़ रहा है एवं देश का भविष्य युवा बिगड़ रहा है । पुलिस और आबकारी विभाग ने सरकार एवं तथा अपने वरिष्ठ अफसर को खुश करने के लिए हजारों हजारों लीटर अवैध शराब पकड़ी है । लेकिन आज संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में अवैध बिना शासन स्वीकृति के 99त्र ग्रामों में शराब माफिया प्रशासन से मिलकर कमीशन की कलारिया संचालित किए हुए हैं इसी कारण से ग्रामों में अपराध बढ़ रहे हैं, पूर्व समय में ऐसा नहीं होता था वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी स्थलों का निरीक्षण कर दूध का दूध और पानी का पानी करते थे ।

शासकीय कर्मचारी भी नही दबँगो से सुरक्षित

जांच करने गये पटवारी पर दबँग रावतो ने बोला हमला मारपीट कर बनाया बंधक जबरन बनाये अश्लील फोटो वीडियो फाड़े शासकीय खसरा अभिलेख।

पटवारी संघ ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन।

आरोपियों के अबैध कब्जे और अबैध सम्पत्ति को जप्त कराने की ज्ञापन मे की मांग।

(बृजेश पाठक,सम्पादक)

करैरा। आजाद समाचार। जिले के करैरा अनुबिभाग अंतर्गत राजश्व बिभाग के पटवारी प्रभाकर भार्गव के साथ कल्याणपुर के दबँगो ने मारपीट कर बनाया बंधक ।दी जान से मारने की धमकी। अनुबिभाग करेरा के हल्का नंबर 161 पपरेडू मे पदस्थ पटवारी प्रभाकर भार्गव नायब तहसीलदार दिनारा द्वारा जांच हेतु दिये गये आबेदन पर जांच करने चौकीदार के साथ हल्के मे गये और मौके पर जाकर जांच करना शुरु की और आबेदक को मौके पर बुलाया पटवारी ने जांच प्रारम्भ ही की थी की वहाँ पर अचानक गांव के दबंग दिमान सिंह रावत और उसका पुत्र लोकेन्द्र सिंह रावत लाठी कुल्हाड़ी लेकर आ गये और पटवारी को अनर्गल गालिया देना शुरु कर दिया और पटवारी के शाशकीय खसरा और दस्ताबेज् अभिलेख फाड़कर फेक दिये पटवारी द्वारा बार बार समझाने के बाद भी दबँग रावत नही माने तो पटवारी वहाँ से निकलने लगे तभी दोनो पिता पुत्र ने मिलकर पटवारी प्रभाकर भार्गव के साथ मारपीट करना शुरु कर दी और घसीटते हुए उसे अपने घर मे ले जाकर पुन: मारपीट की और करीब दो घंटे तक बंधक बना लिया और अपने घर की महिला के साथ जबरदस्ती बंदूक की नोक पर पटवारी के अश्लील फोटो निकलवाने का प्रयास करने लगे इसी घटनाक्रम के मध्य साथ मे गये गाँव के चौकीदार ने पुलिस और राजश्व अधिकारियों को फोन पर सूचित किया जिससे प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत मे आया और उन्हे मौके से जाकर बंधक बने हुए पटवारी को मुक्त कराकर बापिस ले आया करेरा आकर पटवारी ने थाना करेरा मे पुलिस को एक आबेदन दिया जिसमे उल्लेख किया की मे अपने हल्का पपरेडू मे एक आबेदन की जांच करने चौकीदार के साथ गया था जांच के दौरान गाँव के दिमान सिंग रावत और उसके पुत्र लोकेन्द्र सिंह रावत ने मेरे साथ अचानक मौके पर आकर कुल्हाड़ी लाठी से मुझ पर हमला बोल दिया और लाठीओ से मेरी जमकर मारपीट की और मारपीट करते हुए अपने घर के अंदर ले जाकर मुझे बंधक बना लिया और दिमान सिंग रावत ने अपनी पत्नी के साथ खड़ा करके बंदूक की नोक पर जबरन मेरे अश्लील फोटो निकलबाये और जान से मारने की धमकी दी इसी बीच पुलिस मौके पर आ गयी और मुझे छुड़ाकर लाई और पुलिस को देख आरोपी भाग गये पटवारी प्रभाकर भार्गव को मारपीट के दौरान गंभीर अंदरूनी चोट आई है और हाथ फ्रेक्चर हो गया है पटवारी और पटवारी का परिवार इस घटना को लेकर बेहद भयबीत है।

करेरा पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आनन फानन मे आरोपियों की तलाश शुरु कर दी और रात मे गिरफ्तार कर आरोपियों पर धारा 132,127(2), 121 (1), 221, 3(5) बी एन एस का अपराध् पंजीबद्ध कर लिया है। इस घटना को लेकर पटवारी संघ ने आज कलेक्टर शिवपुरी को ज्ञापन दिया है ज्ञापन मे मांग की है की जल्द से जल्द आरोपियों से शासकीय भूमि मुक्त कराई जाए और आरोपियों के शासकीय भूमि मे बने अबैध मकान और अबैध संपत्ति जफ्त कर राजसात की जाए क्युकी अगर ऐसा नही किया गया तो हम लोग गाँव मे जाकर कैसे कार्य करेंगे।

बेहद चिंतनीय बात है की करेरा छेत्र मे अगर राजश्व के निचले स्तर के कर्मचारी ही सुरक्षित नही है तो अन्य अधिकारियों की सुरक्षा की बात करना अपने आप मे एक मजाक सा साबित होता है क्युकी जब ग्रामीण स्तर के दबंग लोग शाशकीय अधिकारी कर्मचारियों पर जानलेबा हमला बोलने लगेंगे तो ग्रामीण स्तर पर हर रोज जाने वाले अन्य अधिकारी कर्मचारी स्वयं को कितने सुरक्षित महसूस करेंगे यह इस घटना को देखकर स्वत: अंदाजा लगाया जा सकता है कही न कही आमजन मे पुलिस और प्रशासन का ख़ौफ़ कम होता नजर आ रहा है इसलिए प्रशासन को चाहिए की समय रहते अपने ख़ौफ़ को बरकरार रखना आरम्भ कर दे नही तो ऐसी घटनाये भविष्य मे अन्य बरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारियों के साथ भी घटित हो सकती है और अगर पटवारी के साथ हुई घटना मे पुलिस मौके पर न पहुंचती तो कोई अप्रीय घटना भी घटित हो सकती थी इस घटना से करेरा पुलिस और राजश्व अधिकारियों को एक सबक अब्श्य लेना चाहिए।

भारत अमेरिकी संबंधों की बदलती हकीकत

जी. पार्थसारथी

वाशिंगटन में नाटो संगठन के मुल्क रूस-यूक्रेन युद्ध पर विचार करने के लिए बैठक करने में लगे थे, लेकिन उस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा पर पश्चिमी जगत की भौंहें तन गईं। पिछली रूस यात्राओं की तरह मोदी की यह फेरी भी अनेकानेक मुद्दों पर सफल रहीङ्क इनमें सबसे महत्वपूर्ण रहा ऊर्जा और रक्षा सहयोग क्षेत्र में हुआ समझौता। यह ऐसे वक्त पर भी आया जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने भारत के मानवाधिकारों को लेकर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की। इस अजीब रिपोर्ट में भारत को वह देश बताया गया जहां मानवाधिकार हनन होना रोजाना का काम है। इसमें जोर देकर कहा गया कि मणिपुर पूरी तरह प्रभावित है, वहां दुराचार, सशस्त्र टकराव एवं हमले हो रहे हैं, घरों और पूजा स्थलों को तोड़ा जा रहा है, काम-धंधा ठप्प पड़े हैं। बाइडेन प्रशासन की रिपोर्ट आगे कहती है कि भारत के सिविल सोसायटी कार्यकर्ता और पत्रकार भी इन हालात की तस्दीक करते हैं। इस किस्म का घटनाक्रम किसी भी लोकतंत्र में अचानक घट सकता है, जब लोगों का एक वर्ग हथियार उठा ले। भारत में इस किस्म की घटनाओं की खबरें कोई नई नहीं हैं।

लगभग 140 करोड़ लोगों वाले देश में मीडिया रिपोर्टिंग करने के लिए स्वतंत्र है। मणिपुर की बढ़ती हिंसा की प्रतिक्रिया में उम्मीद के अनुसार मोदी सरकार ने सुरक्षा बलों की तैनाती की है ताकि कर्फ्यू लगाकर स्थिति संभाली जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर के कुछ घटनाक्रमों में दखल देकर शांति स्थापना के लिए प्रभावशाली उपाय करने को कहा है।

मणिपुर, जो कि चीन की सीमा के पास स्थित है, में हिंसा मोटे तौर पर थम चुकी है। संसद में इस मुद्दे पर तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी है, जिसमें विपक्ष ने मणिपुर को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की है। इस प्रकार के मुद्दे देश के संविधान के ढांचे के भीतर रहकर सुलझाए जा सकते हैं, जिसमें विपक्ष की सक्रिय भागीदारी और सर्वोच्च न्यायालय से गाहे-बगाहे मिलने वाले निर्देश शामिल होते हों। लेकिन भारत को लेकर ब्लिंकन रिपोर्ट एकतरफा, अयथार्थवादी और राजनयिक सरोकारों से परे प्रतीत होती है। इसको केवल एक गैर-जरूरी प्रयास कहा जा सकता है, जिसके परिणाम में भारत-अमेरिकी रिश्तों में कटुता पैदा हो सकती है।

भारत में हालिया अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर जो मुख्य प्रश्न पैदा हुआ है वह यह कि अगर कमला हैरिस जीतती हैं, तब क्या उनकी सरकार अपने पथप्रदर्शक जो बाइडेन द्वारा हालिया दिनों में अपनाई भ्रमपूर्ण और भारत के प्रति कम मित्रता रखने वाली राह अपनाएगी या फिर वे सामरिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाना चाहेंगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जल्द होने जा रहे हैं। उम्मीद करें कि भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत होगी। रोचक कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल लिखता है, 'कमला हैरिस की उम्मीदवारी बनने से डेमोक्रेट्स नई ऊर्जा के साथ उनके साथ आन खड़े हुए हैं। अब अमेरिका में वह राजनीतिक दौड़ होने जा रही है, जिसका परिणाम कांटे का रहने की उम्मीद है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को टक्कर देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तैयारी और आत्मविश्वास अब दिखाई देने लगा है।'

राष्ट्रपति चुनाव से पहले के इन कुछ महीनों में अमेरिकी प्रशासन की मुख्य रुचि और ध्यान मुख्यत: रूस-यूक्रेन टकराव पर केंद्रित रहने वाला है, जहां बाइडेन के नेतृत्व वाला पश्चिमी जगत यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद, अस्त्र-शस्त्र जमकर और निरंतर दे रहा है। एक जर्मन संस्थान के अनुसार, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन द्वारा 2022 से यूक्रेन को जो सैन्य, वित्तीय और मानवीय सहायता दी जा चुकी है या आगे मिलेगी वह राशि 380 बिलियन डॉलर बनती है। यूक्रेन युद्ध का असर समूचे यूरोप को महसूस हो रहा है। यहां तक कि अज़रबेजान ने भी सूडान के माध्यम से यूक्रेन को बम पहुंचाए हैं। पाकिस्तान ने यह समझकर कि कहीं वह पीछे न रह जाए, यूक्रेन को आत्मघाती ड्रोन, चल-हवाई हमला रोधी प्रणाली और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मुहैया करवाई हैं। जान-माल की इतनी भारी क्षति वाली यह लड़ाई कब तक चलेगी, कोई नहीं जानता।

प्रतिभाओं की जलसमाधि

राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं में सुनहरे सपनों के लिये कोचिंग ले रहे तीन प्रतिभागियों की डूबने से हुई मौत ने पूरे देश को झकझोरा है। अवैध रूप से बेसमेंट में चलाये जा रहे एक कोचिंग संस्थान में बरसात का पानी भर जाने से एक छात्र व दो छात्राओं की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। इस घटना को लेकर सड़क से संसद तक हंगामा हुआ है। जानलेवा परिस्थितियों में कोचिंग व संचालकों की मनमानी के खिलाफ प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश की तैयारी कर रहे छात्र सड़कों पर आंदोलन करते रहे हैं। निस्संदेह, यह कोई दुर्घटना नहीं बल्कि मोटे मुनाफे के प्रलोभन में मानव जनित त्रासदी है। विडंबना देखिये ये घटना देश की राजधानी में घटी है। यदि दिल्ली में कोचिंग संस्थानों में आपराधिक लापरवाही की यह स्थिति है तो शेष देश में प्रतिभावान छात्र किन अमानवीय परिस्थितियों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होंगे? सवाल है कि जब दिल्ली के इन इलाकों के बेसमेंट में किसी तरह की व्यावसायिक गतिविधि चलाना गैरकानूनी है तो फिर कैसे दर्जनों कोचिंग सेंटर बेसमेंट में चल रहे थे? क्यों एमसीडी व दिल्ली प्रशासन के अधिकारियों ने अवैध रूप से चलाए जा रहे इन कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की? अब जब जनाक्रोश बढ़ने लगा तो एमसीडी के एक छोटे अधिकारी को बर्खास्त व एक अधिकारी को निलंबित किया गया है। शनिवार को जिस कोचिंग सेंटर में हादसा हुआ उनके प्रबंधकों की गिरफ्तारी के अलावा कुछ अन्य कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है। आखिर किसी न्यायोचित कार्रवाई के लिये हम किसी हादसे का इंतजार क्यों करते हैं? विडंबना देखिए कि छह माह पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के कोचिंग सेंटरों के नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी किये थे। जिसमें बुनियादी ढांचे की आवश्यकता,अग्नि सुरक्षा कोड, भवन सुरक्षा कोड और छात्रों के हित में अन्य मानकों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए थे। जिसका मकसद यही था कि शनिवार को हुए दिल्ली हादसे जैसी दुर्घटनाओं से छात्रों की जीवन रक्षा की जा सके।

महत्वपूर्ण सवाल यह कि क्या देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में इन निर्देशों का गंभीरता से पालन किया गया? यह भी कि क्रियान्वयन की निगरानी के लिये केंद्र सरकार ने कोई तंत्र विकसित किया है? दरअसल, कोचिंग संस्थानों की मुनाफाखोरी का खमियाजा अच्छी नौकरी के सपने देखने वाली प्रतिभाओं को उठाना पड़ रहा है। यही वजह है घटना पर सांसदों की चिंता के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को राज्य सभा में कहना पड़ा कि सुरक्षा पर लाभ को प्राथमिकता देने वाले कोचिंग सेंटर गैस चैंबर से कम नहीं हैं। निस्संदेह, नियामक तंत्र के अभाव में कोचिंग उद्योग महज मुनाफे का धंधा बन गया है। वर्ष 2022 के एक अनुमान के अनुसार देश का कोचिंग उद्योग 58 हजार करोड़ रुपये का था। वर्ष 2028 तक इसके 1.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोचिंग सेंटरों के संचालक मुनाफा बढ़ाने के लिए लागत कम करने से गुरेज नहीं करते। इसके बावजूद दिल्ली सरकार व एमसीडी शनिवार के हादसे की जवाबदेही से नहीं बच सकते। इस घटना का सबक यह है कि ऐसे हादसे देश के किसी भी क्षेत्र में न हों, इसके लिये समय-समय पर देशभर के कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया जाना चाहिए। नीति-नियंताओं को आग लगने पर कुंआ खोदने की प्रवृत्ति से बचना होगा। राजनेताओं को भी राजनीतिक मतभेदों से इतर इस तरह के हादसे रोकने के लिये गंभीर पहल करनी चाहिए। इन संस्थानों को पंजीकरण के समय से समयबद्ध निगरानी के दायरे में लाना चाहिए। इसके अलावा यह भी महत्वपूर्ण है कि इन कोचिंग संस्थानों के आसपास कमरे किराये पर लेकर रहने वाले छात्रों के रहने की उचित व्यवस्था की जाए। दिल्ली में छात्रों ने मकान मालिकों द्वारा मनमाने किराये वसूलने तथा व्यावसायिक दरों पर बिजली-पानी बिल वसूलने के आरोप लगाये हैं।

भारत में रेवड़ी संस्कृति, अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ती

बृजेश पाठक जिला अधिमान्य वरिष्ठ पत्रकार शिवपुरी ।।

हमारे देश में राजनीतिक गलियारों से लेकर अदालती कक्षों में चुनावों के समय किए जाने वाले सफेदपोश गद्दा धारियों द्वारा ऐसे वादों से जुड़ी रेवड़ी संस्कृति पर बहस हो रही है । राजनीतिक दल इस पर गंभीरता से विचार करने की वजह अपने तर्क गढ़ने में लगे हैं। अर्थव्यवस्था के नतीजे राजनीतिक दलों को भुगतने होंगे । इस रेवड़ी संस्कृति से केवल अर्थव्यवस्था ही नहीं बल्कि लोकतंत्र को मूल भावना पर भी गहरा आघात होगा । हाल ही में उदाहरण मिलता है, श्रीलंका की आर्थिक दुर्दशा के पीछे ऐसी ही वायदों की अहम भूमिका रही जिसके बाद श्रीलंका कंगाली की कगार पर आ खड़ा है । इसकी कीमत कई पीढ़ियों को चुकानी पड़ सकती है भारत में राजनीतिक दलों ने रेवड़ी संस्कृति पर बिराम नहीं लगाया तो ।

हमारे देश में सर्वाधिक प्रविधानों के अनुसार लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए ,केंद्र और राज्य सरकारें कई कार्यक्रम संचालित करती हैं । जैसे कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी पीडीएस इसके जरिए वंचितों को गरिमा पूर्व जीवन जीने का अवसर मिलता है । इसी प्रकार रोजगार गारंटी योजना लोगों को काम का अधिकार देती है । शिक्षा और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में संचालित कार्यक्रम अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करते हैं । जिससे देश समाजवादी विकास की दिशा में बढ़ सके , इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जहां सीमित संसाधनों की अनुकूलन दोहन द्वारा समाज की उत्पादकता को बढ़ाना है । वही आए असंतुलन को कम कर के सामाजिक विस्फोट की संभावनाओं के साथ न्याय करना भी है । चुनाव के समय मतदाताओं को लोकलुभावने के लिए राजनीतिक पार्टियां नियमों को ताक पर रखकर लोक लुभावने वायदे रेवड़ी संस्कृति का ही परिचायक है । चाहे पंजाब हो या दिल्ली या अन्य राज्य भी वहां के सफेदपोश खड्डा धारियों ने अपने शीर्ष नेताओं से मिलकर तमाम लोक लुभावने वायदे जनता के समक्ष गड़े थे । मुक्त उपहार के वायदों की सकारात्मकता की बजाए नकारात्मक प्रभाव राज्य एवं देश में देखने को मिलता है । दूसरी ओर इससे करदाताओं में असंतोष पड़ेगा और ऐसी सुविधाएं उन्हें भी मिलेंगी जो कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से बाहर हैं । * मुक्त खोरी योजनाओं से देश के क्रियाशील लोगों में कार्य के प्रति उदासीनता का भाव पैदा होगा । * देश की तमाम उत्पादकता प्रोडक्टों पर मायूसी छा जाएगी क्योंकि लोगों को घर बैठे बिस्तर पर ही लाभ मिलती रहेगी तो कार्य करने कौन सा व्यक्ति खड़ा होगा । हमारे देश में दरअसल सभी राजनीतिक जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123 की अस्पष्टता का लाभ लेने में लगे हुए हैं ।

इस अधिनियम एक्ट के अनुसार यदि कोई प्रत्याशी या उससे जुड़ा कोई व्यक्ति घूस उपहार या फिर अन्य कुछ देने का वायदा करता है । तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है, इसलिए कल्याणकारी योजनाओं को आज नए सिरे से स्पष्ट रूप से फिर से परिभाषित किए जाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है देश को ।

रेवड़ी संस्कृति का एक अन्य पहलू सब्सिडी भी है, सब सिटी जो रेवड़ी मेआता है ।

इंसानी सेहत हेतु जरूरी इनकी उपस्थिति

अली खान

आज यह चिंताजनक बात है कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने वाले गिद्धों की प्रजातियां बड़ी तेजी से खत्म हो रही हैं। गिद्धों के गायब होने के कारण पर्यावरण में रोगाणु अपने पांव पसार रहे हैं। जो इंसानों में घातक संक्रमण के साथ ही साथ जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। दरअसल, स्वच्छ वातावरण के साथ इंसानों की जान को महफूज रखने के लिए गिद्धों की उपस्थिति को नितांत आवश्यक माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 में गिद्धों की आबादी 4 करोड़ थी, जो अब मात्र 60 हजार रह गई है। गौरतलब है कि संकट में आए गिद्ध की प्रजातियां को 2022 में आईयूसीएन की रेड लिस्ट में डाल दिया गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच 5 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसे रोगाणुओं से हुई, जो मरे हुए पशुओं के शव से निकलकर संक्रमण फैलाने की वजह बने। जब इसके बारे में गहन शोध किया गया तो मालूम चला कि इसके पीछे की बड़ी वजह गिद्धों का गायब होना रहा।

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि गिद्ध मुफ़्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र या वन्यजीवों द्वारा मानव कल्याण

में किए जाने वाला योगदान है। मालूम हो, गिद्ध अनिवार्य मैला ढोने वाले होते हैं जो पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, मिट्टी और पानी के दूषित पदार्थों को हटाने और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के तौर पर ग्रिफ़ॉन गिद्ध जानवरों के शवों से प्राप्त बड़ी मात्रा में सड़ा हुआ मांस खाते हैं, जिससे खाद्य जाल के माध्यम से ऊर्जा का हस्तांतरण होता है। इनकी उपस्थिति जंगली कुत्तों जैसे अन्य वैकल्पिक मैला ढोने वालों की आबादी को नियंत्रित करके बीमारियों के संचरण को सीमित करने में मदद कर सकती है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि गिद्ध हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में सहायक हैं। हमें यह भी समझने की नितांत आवश्यकता है कि गिद्धों की आबादी और प्रजाति पर विद्यमान संकट कहीं न कहीं पारिस्थितिकी से जुड़ा संकट है। यदि समय रहते गिद्धों के संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में गिद्ध प्रजाति की शुमारी विलुप्त प्रजाति में होगी। जो स्वाभाविक रूप से हमारी चिंताओं में इजाफा करेगी। लिहाजा, गिद्धों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

दरअसल, गिद्ध पक्षी से आम-आदमी परिचित है। इन्हें मुर्दाखोर पक्षी के नाम से भी जाना जाता है। इनकी सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि ये भोजन की तलाश करते समय लंबी दूरी तय करने की अपनी अविश्वसनीय क्षमता के लिए जाने जाते हैं। ये बड़े अपमार्जक पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक हैं, जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं। ये प्रकृति के अपशिष्ट संग्रहकर्तृता के रूप में एक महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण को अपशिष्ट से मुक्त रखने में सहायता करते हैं। भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियों जैसे ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, इज़िप्शियन, बियर्डेड, सिनेरियस और यूरेशियन ग्रिफ़ॉन का निवास स्थान है। हालांकि दक्षिण एशियाई देशों विशेषकर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में गिद्धों की आबादी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है।

रात 8 बजे बीईओ ने बालिका छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी, दिए निर्देश

करैरा

विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुश्री स्वीटी मंगल ने रात्रि 8 बजे कस्तूरबा बालिका छात्रावास दिनारा का आकस्मिक निरीक्षण किया।आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी के साथ प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल दिनारा बी एल प्रजापति भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान रात्रि में वार्डन श्रीमती ममता यादव सहित 75 बच्चिया उपस्थित मिली। बीईओ स्वीटी मंगल ने छात्रावास में रह रहीं छात्राओं से पृथक पृथक चर्चा कर वस्तु स्थिति से अवगत हुई। उनके पढ़ाई लिखाई, स्वास्थ्य संबंधी, भोजन सहित अन्य विषयों पर चर्चा की। जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान हो रही परेशानी को लेकर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर प्रदीप शर्मा से बात करके स्वास्थ्य परीक्षण की उचित व्यवस्था बनाए जाने का आग्रह किया। छात्रावास में खिड़कियों में पर्दे एवं सभी छात्राओ को मच्छरदानी उपलब्ध कराने की निर्देश भी दिए। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध एलसीडी में ऑनलाइन क्लासेस चलाये जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रों को दिए जा रहे भोजन को भी देखा और व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आई।अनुपस्थित 25 छात्रों के बारे में जब वार्डन श्रीमती ममता यादव से पूछा तो उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी एवं घरेलू कार्य के कारण उक्त छात्राएं अपने घर पर गई हुई है। इस दौरान सुश्री मंगल ने छात्राओं को पढ़ाई के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।उल्लेखनीय है कि उक्त छात्रावास में कक्षा 9 से 12 अध्यनरत छात्राएं निवासरत हैं।

झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से किशोरी बालिका की मौत, सदमे में परिजन

करैरा

शिवपुरी जिले के अमोला थानांतर्गत आने वाले ग्राम जयनगर में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से कक्षा 9 वीं में पढ़ने वाली किशोरी बालिका मुस्कान पुत्री साहब सिंह लोधी उम्र 17 वर्ष की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद मृतका के पिता ने झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक गलत इंजेक्शन व ड्रिप लगाने से मौत होने का आरोप लगाया है। इस मामले में अब पुलिस जांच में जुटी हुई है।

दरअसल, जयनगर गांव की रहने वाली कु मुस्कान लोधी 17 वर्ष को बुखार आने पर गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर नरेन्द्र बघेल को इलाज के लिए घर पर बुलाया डाक्टर ने आने के बाद बुखार से पीड़ित कु मुस्कान को कुछ दबाएं व इंग्जेक्स सहित एक ड्रिप लगाई और घर से चला गया, कुछ देर बाद मुस्कान की तबियत बिगड़ती देख परिजनों ने डॉक्टर से फोन पर सम्पर्क कर जानकारी दी और डॉक्टर को पुनः बुलाया लेकिन डॉक्टर ने कहा कि ड्रिप बन्द कर दो मैं आ रहा हूं लेकिन वह नहीं आया और करैरा भाग गया इधर मुस्कान की सांसे हमेशा के लिए थम गई।

डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

इसके बाद परिजन मृतिका को आमोलपठा ले गए जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अमोला थाना प्रभारी राजकुमार सिंह का कहना है कि मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है पोस्टमार्डम की रिपोर्ट आने के बाद आंगे की कार्यवाही की जाएगी।

चित्रकूट श्रद्धालुओं की जेब में डंका डाल रहे दलाल

चित्रकूट । आजाद समाचार ।

प्रभु श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट धाम में श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करने और जेब में डांका डालने का काम दलाल लोग जारी किए हुए हैं । ए काम धार्मिक स्थलों की शेर करने बाली दलाल कर रहे हैं जो गार्ड बनकर ठगी करते हैं । श्रद्धालुओं से और इतना ही नहीं मंदिरों की पुजारी से भी ।

वहीं दूसरी ओर स्थानीय दुकानदार भी जमकर श्रद्धालुओं को लूट रहे हैं । बाजार में जो चीज?20 की तो चित्रकूट धाम में वही चीज ?30 की और ?40 की दुकानदार बेच रहे हैं । इतना ही नहीं श्रद्धालुओं के लिए टैक्सी, ऑटो चालक भी मनमानी ढंग से किराया वसूल कर लूट रहे हैं । किसी भी टैक्सी टेंपों चालक अपनी गाड़ी में किराए लिस्ट चस्पा नहीं किए हैं ।

और नाही स्थानी दुकानदार श्रद्धालुओं को बिल देते हैं जब श्रद्धालु दुकानदारों से चर्चा करते हैं तो कहते हैं आपको लेना है तो ले अन्यथा आगे बढ़ , मंदाकिनी मां के नारे कई जगह गंदगी का ढेर है । श्रद्धालु भी नदी किनारे गंदगी फेंकते हैं । इसका मुख्य कारण सार्वजनिक शौचालय मूत्रालय न होने के कारण और डस्टबिन जगह–जगह ना होने से साफ सफाई चुस्त दुरुस्त नहीं है । परिक्रमा मार्ग में भी तमाम प्रकार से श्रद्धालुओं को लूटने का कार्य चल रहा है । इससे जहां एक और श्रद्धालुओं की जेब पर खर्च बढ़ता है तो वही आस्था के केंद्र की छवि भी धूमिल होती है ।

प्रशासन को और सरकार को चाहिए की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखे चाहे वह गाइड हो या टैक्स संचालक, स्थानीय दुकानदार आदि सब लोगों को सूचित करें कि अनिवार्य रूप से अपने वाहन तथा प्रतिष्ठानों पर रेट लिस्ट आवश्यक रूप से (चस्वा) दीवार पर अंकित रखें ।

सुरक्षा व्यवस्था का भी चाक चौबंद इंतजाम किया जाए । अधिकांश जगह पर मां मंदाकिनी तट हो या बस स्टैंड और हनुमान धारा , रामघाट, रत्नवाली मार्ग, अनसूया आश्रम गुप्त गोदावरी एवं लक्ष्मण टेकरी के आसपास शाम ढलते ही नसेलची लोगों का प्रभाव बढ़ाना शुरू हो जाता है ।

यहां पर गांजा, अफीम, चरस एवं स्मैक, शराब आदि आदि नसे करने वाले एवं रात में घूमते रहते हैं और श्रद्धालुओं को परेशान करते हैं मध्य प्रदेश सतना जिले के जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक तथा कर्बी जिले के जिला अधिकारी डीम एवं पुलिस कप्तान से श्रद्धालुओं ने मांग की है की तत्काल व्यवस्थाओं को चुस्त और दुरुस्त किया जाए । श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कीजाए ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में बैठक 5 अगस्त को शिवपुरी एवं 6 अगस्त को करैरा तहसील के सभागार में होगी

शिवपुरी। आजाद समाचार । जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य आयोजन के सिलसिले में रूपरेखा तय किए जाने एवं अधिकारियों को दायित्व सौंपे जाने हेतु 5 अगस्त सोमवार को दोपहर 12 बजे जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार करैरा तहसील के सभागार में ठीक दोपहर 2ः00 बजे 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य आयोजन के सिलसिले में रूपरेखा तय किए जाने एवं अधिकारियों को दायित्व सौंपे जाने हेतु दिनांक 6 अगस्त मंगलवार को बैठक संपन्न होगी । इस बैठक में सभी जनप्रतिनिधि, व्यापारी गण, गणमान नागरिक गण एवं समस्त पत्रकारगण व सभी विभागों के अधिकारी गण उपस्थित होंगे ।

8 वर्ष की लड़की के साथ यौन शोषण मामला दर्ज -

रन्नौद -आजाद समाचार- कोलारस अनुविभाग क्षेत्र के रन्नौद थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत ईचोनिया के रामपुरा आदिवासी बस्ती का एक मामला सामने आया है , जहां रात के समय युवक लड़की को उठाकर जंगल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया ,जानकारी के अनुसार रविंद्र पुत्र लल्लीराम आदिवासी उम्र 19 वर्ष अपने पड़ोस की रहने वाली लड़की को रात के अंधेरे में उठाकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म को अंजाम दिया, लड़की जैसे तैसे छूट कर अपनी बहन के यहां पर भाग गई जो कि दूसरे दिन जाकर लड़की मिली जहां परिजन अपने रिश्तेदारों अन्य जगहों पर ढूंढने लग रहे, लड़की के मिलने पर परिजनों के साथ लड़की थाने में आकर रविंद्र के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया पुलिस आगे की कार्रवाई में लगी हुई है, पुलिस के मुताबिक आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

लाड़ली बहनों को 10 अगस्त को मिलेगा राखी का उपहार

● चित्रकूट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट में लाड़ली बहना उत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा?कि सभी लाड़ली बहनों को 10 अगस्त को उनके खातों में सिंगल क्लिक से 1250 रूपये तथा रक्षाबंधन के उपहार के रूप में 250 रूपये अतिरिक्त दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार तो 19 अगस्त को मनाया जायेगा। लेकिन पूरे सावन हम त्यौहार मनायेंगे। बहनों का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये हर जिलें में उत्सव आयोजित किये जा रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनें प्रेम के साथ भाईयों को राखी बांधकर स्नेह देती है। आज बहनों ने विशाल राखी बांधकर पहले ही मुझे रक्षाबंधन का आनंद दे दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के त्यौहार और पर्व एक-दूसरे को आपस में जोड़ते है। पूरी दुनिया भारत के पर्व को देखकर दंग रहती बोली बघेली में लिखी आभार स्नेह पाती भी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट भगवान राम और नानाजी देशमुख की तपोभूमि है। भगवान श्रीराम और परम

भावुक लाड़ली बहनों ने बांधी अपने लाड़ले भैया मुख्यमंत्री को राखी, बहनों ने मुख्यमंत्री को स्थानीय बोली बघेली में लिखी आभार स्नेह पाती भेंट की

है। हमारे ऋषियों ने समाज में प्रेम और सदभाव बनाये रखने के लिए हजारो वर्ष पूर्व त्यौहार की परंपरा शुरू की थी। कार्यक्रम में लाड़ली बहनों ने 30 फीट लम्बी राखी अपने लाड़ले भैया मुख्यमंत्री को सौंपी। बहनों ने मुख्यमंत्री को स्थानीय भक्त भरत के पवित्र मिलन से उपजें प्रेम के आशुओं से चित्रकूट की धरा अभिसिंचित है। चित्रकूट के चहुँमुखी विकास के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। नानाजी देशमुख और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों के अनुरूप वंचितों और

बीईओ ने बालिका छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी, दिए निर्देश

करैरा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल ने रात्रि 8 बजे कस्तूरबा बालिका छात्रावास दिनारा का आकस्मिक निरीक्षण किया।

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी के साथ प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल दिनारा बीएल प्रजापति भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान रात्रि में वार्डन श्रीमती ममता यादव सहित 75 छात्राएं उपस्थित मिलीं। बीईओ स्वीटी मंगल ने छात्रावास में रह रहीं छात्राओं से पृथक-पृथक चर्चा कर वस्तुस्थिति से अवगत हुईं। उनकी पढ़ाई-लिखाई, स्वास्थ्य संबंधी, भोजन सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान हो रही परेशानी को लेकर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर प्रदीप शर्मा से बात करके स्वास्थ्य परीक्षण की उचित व्यवस्था बनाए जाने का आग्रह किया। छात्रावास में खिड़कियों में पर्दे एवं सभी छात्राओं को मच्छरदानी उपलब्ध कराने की निर्देश भी दिए। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध एलसीडी में ऑनलाइन क्लासेस चलाये जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रों को दिए जा रहे भोजन को भी देखा और व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आईं। अनुपस्थित 25 छात्रों के बारे में जब वार्डन श्रीमती ममता यादव से पूछा तो उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी एवं घरेलू कार्य के कारण उक्त छात्राएं अपने घर पर गई हुई हैं। इस दौरान सुश्री मंगल ने छात्राओं को पढ़ाई के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। उल्लेखनीय है कि उक्त छात्रावास में कक्षा 9 से 12 अध्यनरत छात्राएं निवासरत हैं।

नेज़ल स्प्रे अल्जाइमर

से जुड़े प्रोटीन को हटा सकता है

■ शेफील्ड

अमेरिका में वैज्ञानिकों ने एक नेज़ल स्प्रे विकसित किया है जो कम से कम चूहों में मस्तिष्क में मौजूद अल्जाइमर रोग से जुड़े प्रोटीन को हटा सकता है। अल्जाइमर में दो प्रोटीन शामिल होते हैः अमाइलॉइड और तौ। अधिकांश दवाएं - जिनमें हाल ही में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित दवाएं भी शामिल है - अमाइलॉइड को हटाने पर ध्यान केंद्रित करती है।

हालाँकि, आज तक, तौ से जुड़ी 'उलझनों' को हटाने पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। हालाँकि, टेक्सास विश्वविद्यालय की मेडिकल शाखा के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया नेज़ल स्प्रे, इस प्रोटीन पर केंद्रित है। एक स्वस्थ मस्तिष्क में, तौ, अन्य चीजों के अलावा, न्यूरॉन्स (मस्तिष्क कोशिकाओं) की सहायक संरचना को बनाए रखने में मदद करता है। अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में, ये प्रोटीन कोशिकाओं के अंदर जमा हो जाते है, असामान्य रूप से मुड़ जाते है और धागे जैसी संरचना बनाते है जिन्हें न्यूरोफाइब्रिलरी टेंगल्स के रूप में जाना जाता है। मस्तिष्क की सामान्य अपशिष्ट निष्कासन प्रक्रियाओं द्वारा इन उलझनों को कुशलतापूर्वक साफ़ नहीं किया जाता है, जो कोशिका क्षति और मृत्यु का कारण बनता है। इससे स्मृति हानि होती है। इसलिए तौ को लक्षित करना अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया, लेवी बॉडी डिमेंशिया और प्रोग्रेसिव सुपरान्यूक्लियर पाल्सी सहित कई न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के लिए एक प्रभावी उपचार हो सकता है। अल्जाइमर न केवल न्यूरॉन्स के भीतर तौ के संचय से जुड़ा है, बल्कि न्यूरॉन्स के बीच अमाइलॉइड प्लाक के निर्माण से भी जुड़ा है, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। अब तक, अल्जाइमर रोग के अधिकांश उपचारों में मस्तिष्क से अमाइलॉइड को हटाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें एफडीए-अनुमोदित दवाएं लेकानेमैब और डोनानेमैब शामिल है (ये दवाएं अभी तक यूके में स्वीकृत नही है)।

क्लिनिकल परीक्षणों में संज्ञानात्मक गिरावट की प्रगति को धीमा करने में लेकानेमैब और डोनानेमैब प्रभावी रहे है; हालाँकि, कई सीमाएँ है, जिनमें पहुँच, कीमत और यह तथ्य शामिल है कि वे केवल प्रारंभिक निदान चरण में ही प्रभावी है। दुर्भाग्य से, तौ को लक्षित करने वाले उपचार मानव परीक्षणों में कम प्रभावी साबित हुए है। हाल तक, तौ को लक्षित करने वाले उपचारों को न्यूरॉन के उन हिस्सों में प्रवेश करने की सीमित क्षमता के कारण संघर्ष करना पड़ा है जहां तौ का निर्माण हो रहा है। याद रखें, अमाइलॉइड न्यूरॉन्स के बाहर जमा होता है, जबकि तौ उनके अंदर जमा होता है।

चूहों में प्रभावी

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास मेडिकल ब्रांच के शोधकर्ताओं ने एक अभिनव नाक स्प्रे विकसित किया है जिसने घातक तौ प्रोटीन के निर्माण को कम करने और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के वृद्ध चूहों के मॉडल में स्मृति में सुधार करने में सकारात्मक परिणाम दिखाए है। एक बार जब तौ को लक्षित करने के लिए सबसे प्रभावी एंटीबॉडी (टीटीसीएम 2 कहा जाता है) की पहचान की गई, तो शोधकर्ताओं ने एंटीबॉडी को वसा (लिपिड) के छोटे बुलबुले में पैक किया। ये रक्त-मस्तिष्क बाधा को पार करने और न्यूरॉन्स में प्रवेश करने के लिए काफी छोटे होते है।

रक्त-मस्तिष्क बाधा

तौ और टैंगल्स को निशाना बनाने में रक्त-मस्तिष्क बाधा को तोड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। एक बार मस्तिष्क में, बुलबुले की बाहरी परत घुल गई, एंटीबॉडी जारी हुई और तौ का निर्माण साफ हो गया। चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए, इस अत्यधिक प्रभावी एंटीबॉडी को एक तरल समाधान में भंग कर दिया गया था और अल्जाइमर रोग के माउस मॉडल में नाक स्प्रे का उपयोग करके वितरित किया गया था। परिणामों से पता चला कि बूढे अल्जाइमर चूहों में इस नेज़ल स्प्रे की एक खुराक ने उनके मस्तिष्क में तौ संचय को काफी कम कर दिया। मानव तंत्रिका ऊतक के नमूनों पर स्प्रे लगाने पर भी वही परिणाम सामने आए। इस शोध का अभी मनुष्यों पर परीक्षण किया जाना बाकी है।

■ अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में, ये प्रोटीन कोशिकाओं के अंदर जमा हो जाते हैं, असामान्य रूप से मुड़ जाते हैं और धागे जैसी संरचना बनाते हैं जिन्हें न्यूरोफाइब्रिलरी टेंगल्स के रूप में जाना जाता है। मस्तिष्क की सामान्य अपशिष्ट निष्कासन प्रक्रियाओं द्वारा इन उलझनों को कुशलतापूर्वक साफ़ नहीं किया जाता है, जो कोशिका क्षति और मृत्यु का कारण बनता है।

गीतकार राजा मेहदी की पुण्यतिथि पर

आप की नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे

■ मुंबई

बॉलीवुड में राजा मेहदी अली खान का नाम एक ऐसे गीतकार के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने प्रेम, विरह और देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत अपने गीतों से लगभग चार दशक तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया । राजा मेहदी अली खान ने अपने गीतों मे ..आप.. शब्द का इस्तेमाल बहुत ही खूबसूरती से किया है। इन गीतों मे आप यूंही हमसे मिलते रहे, देखिये एक दिन प्यार हो जाएगा,आपके पहलू में आकर रो दिए,आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे,आपको राज छुपाने की बुरी आदत है जैसे कई सुपरहिट गीत शामिल है।

करमाबाद शहर में एक जमींदार परिवार में जन्मे राजा मेंहदी अली खान चालीस के दशक में आकाशवाणी दिल्ली में काम करते थे।आकाशवाणी की नौकरी छोड़ने के बाद वह मुंबई आए और यहां एक मित्र के प्रयास से उन्हें अशोक कुमार की फिल्म ..एट डेज .. में डायलग लिखने का काम मिल गया ।

वर्ष 1945 में राजा मेंहदी अली खान की मुलाकात फिल्मिस्तान स्टूडियो के मालिक एस.मुखर्जी से हुई। एस.मुखर्जी ने उनसे फिल्म ..दो भाई .. के लिए गीत लिखने की पेशकश की। फिल्म दो भाई में अपने रचित गीत ..मेरा सुंदर सपना बीत गया.. की कामयाबी के बाद बतौर गीतकार राजा मेहदी अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गए ।

देश के वीरों को श्रद्धाजंलि देने के लिये उन्होंने फिल्म ..शहीद.. के लिए ..वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो .. की रचना की। देशभक्ति के जज्बे से परिपूर्ण फिल्म ..शहीद .. का यह गीत आज भी श्रोताओं की आंखो को नम कर देता है। फिल्म इंडस्ट्री में उंचे मुकाम मे पहुंचने के बावजूद राजा मेहदी अली खान को किसी बात का घमंड नही था। उन्होंने कभी इस बात की परवाह नही की कि वह नए संगीतकार के साथ काम कर रहे है या फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज संगीतकार के साथ। उन्होंने वर्ष 1950 में प्रदर्शित फिल्म .मदहोश. के जरिए अपने संगीत कैरियर की शुरूआत करने वाले मदन मोहन के साथ भी काम करना स्वीकार कर लिया।

जाह्नवी कपूर

की 'उलझ' का म्यूजिक एल्बम जारी

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ का एल्बम रिलीज कर दिया है।फिल्म 'उलझ' के म्यूजिक एल्बम में छह गाने हैं जिन्हें बेहद प्रतिभाशाली शाश्वत सचदेव ने निर्मित और संगीतबद्ध किया है। जुबिन नौटियाल, नेहा कक्कड़ और शाश्वत सचदेव ने आवाज दी है। जान्हवी कपूर ने कहा, मैं 'उलझ' को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एल्बम प्यार का एक श्रम है, और मैं अपने प्रशंसकों को हमारे द्वारा बनाए गए जादू का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। प्रत्येक गीत एक कहानी कहता है, और प्रत्येक गीत विशेष है! जंगली पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत, उलझ में जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, मेयांग चांग, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन और जितेंद्र जोशी की अहम भूमिका है। फिल्म उलझ 02 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बस कंडक्टर से कॉमेडी किंग बने थे जॉनी वाकर

■ मुंबई

बॉलीवुड में अपने जबरदस्त कॉमिक अभिनय से दर्शकों के दिलो में गुदगुदी पैदा करने वाले हंसी के बादशाह जॉनी वाकर को बतौर अभिनेता अपने सपनों को साकार करने के लिए बस कंडक्टर की नौकरी भी करनी पड़ी थी। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर मे एक मध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार में जन्मे बदरूदीन जमालुदीन काजी उर्फ जॉनी वाकर बचपन के दिनों से ही अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे। वर्ष 1942 में उनका पूरा परिवार मुंबई आ गया। मुंबई मे उनके पिता के एक जानने वाले पुलिस इंस्पेक्टर थे जिनकी सिफारिश पर जॉनी वाकर को बस कंडक्टर की नौकरी मिल गई। इस नौकरी को पाकर जॉनी वाकर काफी खुश हो गए क्योंकि उन्हें मुफ्त मे ही पूरी मुंबई घूमने को मौका मिल जाया करता था इसके साथ ही उन्हें मुंबई के स्टूडियोज में भी जाने का मौका मिल जाया करता था।

जॉनी वाकर का बस कंडक्टरी करने का अंदाज काफी निराला था। वह अपने विशेष अंदाज मे आवाज लगाते 'माहिम वाले पेसेन्जर उतरने को रेडी हो जाओ लेडिज लोग पहले।' इसी दौरान जॉनी वाकर की मुलाकात फिल्म जगत के मशहूर खलनायक एन.ए.अंसारी और के आसिफ के सचिव रफीक से हुई। लगभग सात आठ महीने के संघर्ष के बाद जॉनी वाकर को फिल्म 'अखिरी पैमाने' में एक छोटा सा रोल मिला। इस फिल्म मे उन्हें पारिश्रमिक के तौर पर 80 रुपए मिले जबकि बतौर बस कंडक्टर उन्हें पूरे महीने के मात्र 26 रुपए ही मिला करते थे। एक दिन उस बस में अभिनेता बलराज साहनी भी सफर कर रहे थे वह जॉनी वाकर के हास्य व्यंग्य के अंदाज से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने जॉनी वाकर को गुरूदत्त से मिलने की सलाह दी। गुरूदत्त उन दिनों बाजी नामक एक फिल्म बना रहे थे। गुरूदत्त ने जॉनी वाकर की प्रतिभा से खुश होकर अपनी फिल्म बाजी में काम करने का अवसर दिया। वर्ष 1951 में प्रदर्शित फिल्म 'बाजी' के बाद जॉनी वाकर बतौर हास्य कलाकार अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए।

फिल्म बाजी के बाद वह गुरूदत्त के पसंदीदा अभिनेता बन गए। उसके बाद जॉनी वाकर ने गुरूदत्त की कई फिल्मों में काम किया जिनमें आरपार, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, चौदहवीं का चांद, कागज के फूल जैसी सुपर हिट फिल्में शामिल है। नवकेतन के बैनर तले बनी फिल्म टैक्सी ड्राइवर में जॉनी वाकर के चरित्र का नाम 'मस्ताना' था।

बायोलॉजिकल शाकाहार

उम्र कम करना चाहते हैं तो अपनाएं

नई दिल्ली,

एक शोध में पता चला है कि यदि आप आठ सप्ताह तक लगातार शाकाहार खाते हैं तो इससे बायोलॉजिकल उम्र कम करने में मदद मिल सकती है। बायोलॉजिकल उम्र जानने से मधुमेह या मनोभ्रंश के जोखिम को समझने में मदद मिल सकती है। बीएमसी मेडिसिन नामक पत्रिका में प्रकाशित शोध से पता चला है कि देखी गई बायोलॉजिकल उम्र में आई कमी डीएनए मिथाइलेशन के स्तर पर आधारित है।

यह डीएनए का एक प्रकार का रासायनिक संशोधन (केमिकल मॉडिफिकेशन) है, जो जीन अभिव्यक्ति को बदल देता है, हालांकि डीएनए में कोई बदलाव नहीं होता। इस शोध में 21 वयस्क समान जुड़वां बच्चों का अध्ययन किया गया, जिनमें कुछ दिनों के लिए शाकाहार अपनाने के प्रभाव की जांच की गई। टीम ने हर जुड़वा लोगों में एक को आठ सप्ताह तक सर्वाहार खाने को कहा, जिसमें प्रतिदिन 170 से 225 ग्राम मांस, एक अंडा और डेढ सर्विंग डेयरी उत्पाद शामिल थे। वहीं, उनके दूसरे जुड़वा इस दौरान सिर्फ शाकाहार खाने को कहा गया। टीम ने पाया कि शाकाहार करने वाले प्रतिभागियों में अनुमानित जैविक आयु (बायोलॉजिकल उम्र) में कमी देखी गई, जिसे एपीजेनेटिक एजिंग क्लॉक के रूप में जाना जाता है।

इसके विपरीत सर्वाहार खाने वालों में यह कमी नहीं देखी गई। शाकाहार लेने वाले लोगों में हृदय, हार्मोन, लिवर तथा सूजन तथा चयापचय तंत्र की आयु में भी कमी देखी गई।

जावेद अख्तर का 'एक्स' खाता 'हैक'

■ नयी दिल्ली

प्रसिद्ध गीतकार-पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने कहा कि सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनका खाता 'हैक' हो गया है, जिसके बाद उनके नाम से पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के बारे में एक संदेश भेजा गया है। विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखने के लिए इस माइक्रोब्लॉगिग साइट का अक्सर इस्तेमाल करने वाले अख्तर (79) ने रविवार रात को अपने सोशल मीडिया पेज पर खाता 'हैक' होने की जानकारी दी। अख्तर ने लिखा, 'एक्स पर मेरी आईडी हैक कर ली गई है। मेरे खाते से ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल के बारे में एक संदेश जारी किया गया है। इससे कोई नुकसान नही होगा, लेकिन यह संदेश मैने नही भेजा है।' अख्तर ने यह नही बताया कि उन्हें खाता 'हैक' होने के बारे में कब पता चला और न ही उन्होंने कथित पोस्ट में लिखी बातों के बारे में कोई जानकारी दी। दिग्गज गीतकार ने अपने 46 लाख से अधिक फॉलोअर को यह भी बताया कि वह सोशल मीडिया मंच के संबंधित प्राधिकारियों से शिकायत करने जा रहे है।

केडी द डेविल से संजय दत्त का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई । बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त के जन्मदिन पर फिल्म केडी द डेविल से उनका फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में संजय दत्त देव के किरदार में नजर आएंगे। केडी-द डेविल के निर्देशक प्रेम ने कहा, संजय ने कई प्रभावशाली भूमिकाएं निभाई हैं। उनके मुन्नाभाई को आज भी बहुत सराहा जाता है। वहीं संजय दत्त ने कहा,मैं केडी- द डेविल का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक एक्शन और पैन इंडिया फिल्म है। केडी-द डेविल में संजय दत्त के अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद, वी रविचंद्रन और ध्रुव सरजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी-द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित हैं। यह पैन इंडिया बहुभाषी फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए तैयार है।

65 वर्ष के हुए संजय दत्त

मुंबई, । बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता संजय दत्त सोमवार को 65 वर्ष के हो गए। 29 जुलाई 1959 को मुंबई में जन्मे संजय दत्त को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता सुनील दत्त अभिनेता और मां नरगिस जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण संजय दत्त अक्सर अपने माता-पिता के साथ शूटिंग देखने जाया करते थे। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेता बनने के ख्वाब देखने लगे। संजय दत्त ने बतौर बाल कलाकार अपने सिने करियर की शुरूआत अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म रेशमा और शेरा से की। बतौर अभिनेता उन्होंने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म रॉकी से की। दमदार निर्देशन पटकथा और गीत-संगीत के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट रही। वर्ष 1982 मे संजय दत्त को निर्माता -निर्देशक सुभाष घई की फिल्म विधाता में काम करने का अवसर मिला।

यूं तो पूरी फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार, संजीव कुमार और शम्मी कपूर जैसे नामचीन अभिनेताओं के इर्द गिर्द घूमती थी लेकिन संजय दत्त ने फिल्म में अपनी छोटी सी भूमिका में दर्शकों का दिल जीत लिया। वर्ष 1982 से 1986 तक का वक्त संजय दत्त के सिने कैरियर के लिये बुरा साबित हुआ।

इस दौरान उनकी जानी आइ लव यू, मै आवारा हूं, बेकरार, मेरा फैसला, जमीन आसमान, दो दिलो की दास्तान, मेरा हक और जीवा जैसी कई फिल्में बॉक्स आफिस पर असफल रहीं। हालांकि, वर्ष 1985 में प्रदर्शित फिल्म जान की बाजी टिकट खिड़की पर औसत कारोबार करने में सफल रही। संजय दत्त की किस्मत का सितारा वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म नाम से चमका। यूं तो यह फिल्म राजेन्द्र कुमार ने अपने पुत्र कुमार गौरव को फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा स्थापित करने के लिए बनाई थी। लेकिन फिल्म में संजय दत्त की भूमिका को दर्शकों द्वारा ज्यादा पसंद किया गया।

नौकायनः बलराज चौथे स्थान से रेपेचेज में पहुंचे

चेटेरोक्स। पेरिस ओलंपिक में हिस्सा ले रहे भारत के एकमात्र नौकायन (रोइंग) खिलाड़ी बलराज पंवार शनिवार को यहां पुरुष एकल स्कल स्पर्धा की पहली हीट में चौथे स्थान पर रहे और अब रेपेचेज में हिस्सा लेंगे। पच्चीस साल के बलराज ने सात मिनट 7.11 सेकेंड का समय लिया। वह न्यूजीलैंड के थॉमस मैकिनटोश (छह मिनट 55.92 सेकंड), स्टीफानोस एनतोस्कोस (सात मिनट 1.79 सेकंड) और अब्देलखालेक एलबाना (सात मिनट 5.06 सेकंड) से पीछे रहे। प्रत्येक हीट से शीर्ष तीन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रेपेचेज के जरिए बलराज को सेमीफाइनल या फाइनल में जगह बनाने का दूसरा मौका मिलेगा।

ओलंपिक पदक का 36 साल का इंतजार खत्म करने उतरेंगे भारतीय तीरंदाज

रैंकिंग राउंड में अभी तक के अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित भारतीय तीरंदाज रविवार को महिला फाइनल से शुरू होने वाले पदक राउंड में अपनी लय बरकरार रखकर ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का 36 साल का इंतजार खत्म करने की कोशिश करेंगे। भारतीय तीरंदाजी समुदाय धीरज बोम्मादेवरा (चौथी वरीयता प्राप्त) और अंकिता भकत (11वीं) के क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन के बाद लेस इनवैलिड्स एरिना से पदकों की उम्मीद कर सकता है। भारत ने महिला और पुरुष दोनों वर्ग की टीम स्पर्धा में सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया तथा उन्हें पहले

ओलंपिक पदक का सपना पूरा करने के लिए केवल दो जीत की दरकार है। भारत ने तीरंदाजी में 1988 में ओलंपिक में पदार्पण किया था लेकिन अभी तक उसके तीरंदाज क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रहे हैं। सभी की निगाहें अंकिता भकत, भजन कौर और दीपिका कुमारी पर टिकी रहेंगी। जहां तक पुरुष टीम की बात है तो धीरज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि तरुण दीप और प्रवीण जाधव भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।पहली बार भारतीय पुरुष टीम पदक की मजबूत दावेदार लगती है। पुरुष वर्ग का फाइनल सोमवार को होगा।

टेनिसः स्वियाटेक की आसान जीत

पेरिस। फ्रेंच ओपन में तीन बार की गत चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियाटेक ने शनिवार को यहां पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्धा के महिला एकल के पहले दौर में रोमानिया की इरिना कैमेलिया बेगु को सीधे सेट में हराया। सात हफ्ते पहले रोलां गैरो पर चौथा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली पोलैंड की स्वियाटेक ने बेगु को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरे सेट में सर्विस गंवाने के बाद स्वियाटेक एक समय 3-5 से पीछे हो गईं थी लेकिन इसके बाद लगातार चार गेम जीतकर सेट और मैच जीतने में सफल रहीं। जून में फ्रेंच ओपन और दो हफ्ते पहले विंबलडन में उप विजेता रही इटली की जैस्मिन पाओलिनी पेरिस ओलंपिक खेलों में जीत दर्ज करने वाली पहली टेनिस खिलाड़ी बनीं जब उन्होंने रोमानिया की ऐना बोगडेन को 7-5, 6-3 से हराया।

चोटिल फाबियन रेबोल हटे मोनफिल्स ने ली जगह

स्टार खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शनिवार को यहां भारत के रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी के खिलाफ पुरुष युगल के पहले दौर के मैच में एडवर्ड रोजर-वेसलिन के साथ खेलेंगे क्योंकि फाबियन रेबोल चोट के कारण इस मुकाबले से हट गए हैं। मोनफिल्स के अंतिम समय में कोर्ट में उतरने से मैच पर असर पड़ सकता है क्योंकि बोपन्ना और बालाजी ने रेबोल और रोजर-वेसलिन की जोड़ी से मुकाबले के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी।

बारिश : स्केटबोर्डिंग की स्पर्धाएं स्थगित

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के शुरू होने के बाद बारिश सबसे बड़ा चर्चा का विषय बन गई है जिसके कारण शनिवार को यहां स्केटबोर्डिंग की स्पर्धाएं स्थगित करनी पड़ी। स्केटबोर्डिंग की स्पर्धाएं पेरिस के बाहरी क्षेत्र ला कॉनकॉर्ड अर्बन पार्क में होंगी। इस खेल की विश्व संस्था ने बताया कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण शनिवार को होने वाली स्पर्धाओं को स्थगित करना पड़ा। पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग शनिवार को आयोजित की जानी थी लेकिन अब इसे सोमवार तक स्थगित कर दिया गया है।महिलाओं की स्पर्धा रविवार को होगी।

बैडमिंटन : सेन का जीत के साथ आगाज

पेरिस। भारत के लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा में जीत के साथ शुरुआत करते हुए ग्रुप एल में दुनिया के 41वें नंबर के खिलाड़ी केविन कोर्डन को सीधे गेम में हराया। दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को गुआटेमाला के केविन ने दूसरे गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी 42 मिनट में 21-8, 22-20 से जीत दर्ज करने में सफल रहा।

टी-20: भारत ने श्रीलंका को 43 रन से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| पालेकल

भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव (58) के आक्रामक अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका को 43 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। सूर्यकुमार और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की बदौलत भारत ने सात विकेट पर 213 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 19.2 ओवर में 170 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (40 रन) और शुभमन गिल (34 रन) के अच्छी शुरुआत करने के बाद सूर्यकुमार और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (49 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी से भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत की टी20 कप्तान के कप्तान बनाए जाने के बाद सूर्यकुमार ने अपने पहले मैच में 26 गेंद की पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
यशस्वी रट मेंडिस बो हसारंगा	40	21	5	2
गिल का फर्नांडो बो मदुशंका	34	16	6	1
सूर्यकुमार फवाद्या बो पाथिराना	58	26	8	2
ऋषभ पंत बो पाथिराना	49	33	6	1
हार्दिक पंड्या बो पाथिराना	09	10	1	0
पराग पवाद्या बो पाथिराना	07	06	1	0
रिंकू सिंह बो फर्नांडो	01	02	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	10	05	0	1
अर्शदीप सिंह नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 213/7				
गेंदबाजी : मदुशंका 3-0-45-1, फर्नांडो 4-0-47-1, तीक्षणा 4-0-44-0, हसारंगा 4-0-28-1, मेंडिस 1-0-9-0, पाथिराना 4-0-40-4.				
श्रीलंका	रन	गेंद	4	6
निसांका बो अक्षर पटेल	79	48	7	4
कुसल का यशस्वी बो अर्शदीप	45	27	7	1
परेरा का रवि बिश्नोई बो अक्षर	20	14	3	0
कामिंदु मेंडिस बो पराग	12	08	2	0
चरिथ का यशस्वी बो रवि बिश्नोई	00	02	0	0
दासुन शनाका रन आउट	00	00	0	0
हसारंगा का पराग बो अर्शदीप	02	03	0	0
महीश तीक्षणा बो पराग	02	05	0	0
पाथिराना का पटेल बो सिराज	06	07	0	0
असिथा फर्नांडो नाबाद	00	01	0	0
दिलशान मदुशंका बो पराग	00	01	0	0
अतिरिक्त : 04, कुल : 19.2 ओवर में 170/10				
गेंदबाजी : अर्शदीप 3-0-24-2, सिराज 3-0-23-1, अक्षर 4-0-38-2, बिश्नोई 4-0-37-1, पंड्या 4-0-41-0, पराग 1.2-0-5-3.				

भारतीय टीम महिला और श्रीलंकाई टीम में होगा सामना

रिकॉर्ड 8वां एशिया कप खिताब जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| दाम्बुला

मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखकर श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले फाइनल में जीत दर्ज करके रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने लीग चरण में पाकिस्तान को सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से हराया था। सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश को 10 विकेट से पराजित किया था। भारत के शीर्ष

क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को कोई मौका नहीं दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन टीम प्रबंधन गेंदबाजों विशेषकर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह के प्रदर्शन से काफी खुश होगा। दीप्ति ने टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक 9 विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सात विकेट लेकर तालिका में तीसरे नंबर पर है। इन दोनों का इकोनॉमी रेट भी शानदार है जिसका मतलब है कि उन्होंने विरोधी टीम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया है। इन दोनों की कसी गेंदबाजी का फायदा भारत के अन्य गेंदबाजों को भी मिला है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव इसका उदाहरण है जिन्होंने अभी तक 5.5 के इकोनॉमी रेट से 6 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम के लिए कोई विभाग चिंता का विषय नहीं है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी के कम मौके मिलने से वह थोड़ा चिंतित हो सकता है।

श्रीलंका अभी तक अजेय

श्रीलंका भी अभी तक अजेय रहा है। उसने टूर्नामेंट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी हासिल की है। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में मलेशिया को 144 रन से हराया था। श्रीलंका की तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक 243 रन बनाए हैं लेकिन उनके अलावा श्रीलंका की कोई भी अन्य बल्लेबाज 100 रन तक नहीं पहुंची है। भारत को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे श्रीलंकाई कप्तान पर अंकुश लगाना होगा। भारत के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने श्रीलंका के गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। ऑफ स्पिनर कविशा दिलहारी (सात विकेट) को छोड़कर अन्य श्रीलंकाई गेंदबाज अभी तक प्रभाव छोड़ने में विफल रही हैं।

मुश्किल समय में सांस छोड़ें और एक कदम पीछे हटें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने अपने उत्तराधिकारी गौतम गंभीर को उन चुनौतियों से निपटने के लिए एक विशेष संदेश दिया है जिनका उन्हें सामना करना पड़ सकता है। द्रविड़ के संदेश से गंभीर भी भावुक हो गए। द्रविड़ ने पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में भारत के चैंपियन बनने के बाद मुख्य कोच का पद छोड़ दिया था। उनकी जगह गंभीर को मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक वीडियो एक्स पर जारी किया है, जिसमें द्रविड़ ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट टीम के एक कोच का दूसरे कोच को संदेशः सबसे मुश्किल

द्रविड़ का गंभीर को संदेश

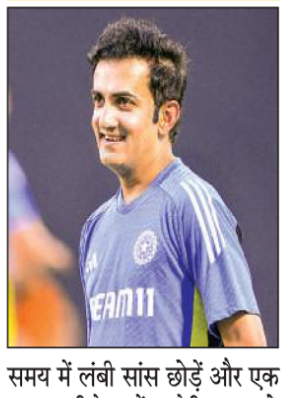

समय में लंबी सांस छोड़ें और एक कदम पीछे हटें। मेरी आपको शुभकामनाएं गौतम। मुझे पूरा विश्वास है कि आप भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाओगे। भले ही यह आपके लिए मुश्किल हो, लेकिन मुस्कुराइए। जो कुछ भी होगा, वह लोगों को चौंका देगा।'

23 गांवों के किसानों ने धान रोपने मोहिनी बांध से दोआब नहर में पानी छोड़ने की मांग को लेकर विधायक रमेश प्रसाद खटीक के साथ कलेक्टर से मिले

करैरा । आजाद समाचार ।

मोहिनी सागर बांध की दोआब एवं आरबीसी नहर खुलवाने की मांग को लेकर किसान विधायक रमेश प्रसाद खटीक के साथ सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचे विधायक रमेश प्रसाद खटीक खटीक ने जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी को बताया कि नरवर तहसील के 23 गांव दोआब नहर वं आरबीसी नहर से जुड़े हैं इन गांवों के लिए नहर में पानी छोड़ा जाए, जिससे धान की पैदावार ले सकें यदि ऐसा नहीं हुआ तो किसानों को आर्थिक नुकसान हो जाएगा जानकारी के मुताबिक किसानों ने आज विधायक रमेश प्रसाद खटीक के साथ शिवपुरी कलेक्टोरेट पहुंचे और विधायक रमेश प्रसाद खटीक के साथ कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी को पत्र दिया विधायक श्री खटीक ने कलेक्टर को बताया की मोहिनी बांध के अधीन दोआब नहर एवं आरबीसी नहर से कई गांव जुड़े हैं जिनमें मगरौनी, डोंगरपुर, पनानेर, खिरिया, कैरूआ, देवरीखुर्द, सिमिरिया, इमलिया, ढिगवास, पारागढ़, कांकर, फूलपुर, हतेड़ा, बनियानी, बिची, राधापुर, मिहावरा, कैखोदा, मोहनगढ़, रमजीपुर, खडौआ, खेड़ा, पलायछा और अन्य गांव भी शामिल हैं इन गांवों के किसानों की लगभग कई हजार भूमि की सिंचाई दोआब नहर एवं आरबीसी नहर से होती है किसानों ने धन की पौध लगा ली थी, जो अब पानी के अभाव में सूख रही है कुछ किसान पानी के अभाव में अपने खेतों में धन की फसल नहीं लगा पा रहे हैं निर्धारित समय पर नहर से पानी नहीं मिलता है तो किसानों को आर्थिक नुकसान होगा इन गांवों में सूखे जैसे हालात बन सकते हैं कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने विधायक रमेश प्रसाद खटीक एवं उनके साथ में आए क्षेत्र के किसान को आश्वस्त किया जल्द ही समीक्षा करके नेहरो में पानी छोड़ा जाएगा एवं विधायक रमेश प्रसाद खटीक किसानों के साथ सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की..!!

निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिलने पर विधायक ने कॉलेज प्रबंधन को लगाई फटकार

करैरा

करैरा विधानसभा क्षेत्र के शासकीय महाविद्यालय कालेज में लंबे समय से चल रही अनियमितताओं एवं गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त होने के बाद क्षेत्रीय विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने करैरा कॉलेज का निरीक्षण किया इस दौरान बड़ी संख्या में गड़बड़ी एवं अनियमितताएं देखने को मिलने पर उन्होंने आक्रोश जाहिर करते हुए कॉलेज प्रबंधन को फटकार लगाई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कॉलेज परिसर में सबसे बड़ी लापरवाही उस वक्त देखने को मिली जब विधायक रमेश प्रसाद खटीक कॉलेज के कमरों में भारी गंदगी देखी इस बात को लेकर विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने नाराजगी जाहिर करते हुए प्राचार्य से पूछा इन कमरों में इतनी गंदगी कैसे क्या आप लोग इन कमरों की सफाई नहीं करते हो क्या तो जवाब में प्राचार्य ने टालमटोली करते हुए जवाब दिए इसी तरह कॉलेज के कंप्यूटर कक्ष, एवं शौचालय के निरीक्षण के दौरान साफ सफाई व गंदगी का आलम देखा गया इसके साथ ही कॉलेज बिल्डिंग की जर्जर हालत को लेकर उन्होंने कालेज प्रबंधन को फटकार लगाई जनभागीदारी समिति के द्वारा किए गए कार्यों एवं जनभागीदारी राशि के आय-व्यय संबंधी जानकारी ली निरीक्षण के बाद विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन की बड़ी लापरवाही एवं अनिमितताएं सामने आई हैं, जिसे लेकर कॉलेज प्रबंधन को भी सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं..!!!

रेल लाइन पर एक युवक की लाश मिली

शिवपुरी।

शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना सीमा से निकली रेल लाइन पर एक युवक की लाश मिली है,युवक की मौत रेलगाडी से कटकर हुई है,वही जिले के अमोला थाना सीमा में एक बाइक सवार की मौत होने की खबर मिल रही है,बताया जा रहा है कि युवक अपने भाई की ससुराल के लिए निकला था लेकिन बीच रास्ते में युवक लाश के रूप में मिला है।

जानकारी के अनुसार बैराड़ के ग्राम सड़ निवासी मुकेश उम्र 32 साल पुत्र बसंत आदिवासी की चिटोरा गांव के पास ट्रेन से टकराकर मौत हो गई है। मृतक परिवार सहित चिटोरा गांव रहकर मजदूरी करता था। पत्नी का कहना है कि पति मुकेश अक्सर रात में उठकर कहीं भी चल देते थे। रात करीब 12:30 बजे झांसी-बांद्रा ट्रेन की चपेट में आकर मुकेश आदिवासी की मौत हो गई। पुलिस ने पीएम कराकर मर्ग कायम कर मामला विवेचना में ले लिया है।

युवक की लाश मिली, बाइक दुर्घटनाग्रस्त

आमोलपठा कस्बे में घोड़ाताल के पास करैरा के गणेश खेड़ा के मझरा मोटा निवासी एक युवक का शव पड़ा मिला पास ही दुर्घटनाग्रस्त उसकी बाइक मिली। मृतक 29 जुलाई को अपने गांव से अपने बड़े भाई की ससुराल बैराड़ गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार अशोक उम्र 27 साल पुत्र विजय सिंह कुशवाह निवासी गणेश खेड़ा मजरा मोटा थाना करैरा बाइक से 29 को बैराड़ अपने बड़े भाई रतन सिंह कुशवाह की ससुराल गया था। जिसके बाद आज 3 जुलाई की सुबह उसका शव अमोल पठा थाना क्षेत्र के घोड़ाताल के पास सड़क से नीचे की तरफ मिला पास ही दुर्घटनाग्रस्त बाइक पड़ी मिली। देखने पर किसी वाहन द्वारा टक्कर मारना लग रहा है।

खबर का असर : गणेशखेड़ा झाडेल व पाडौदा पंचायत में उजागर हुए घपले घोटालों को लेकर जांच दल गठित

तीन सदस्यीय जांच दल 7 दिन में जांच पूर्ण कर करेगा रिपोर्ट प्रस्तुत

कोलारस। जनपद पंचायत सीईओ ब्रम्हेन्द्र गुप्ता ने ग्राम पंचायतों में चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर सख्त रवैया अख्तियार कर लिया है। जिसके चलते उन्होंने 29 जुलाई को तीन सदस्यीय जांच दल गठित कर दिया है। जो कोलारस जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झाडेलए गणेशखेड़ा व पाडौदा में घटित हुए करोड़ों के घपले.घोटालों की विस्तृत जांच करेगा। उक्त जांच दल में सहायक यंत्री राजेन्द्र शर्मा उपयंत्री अशोक जैनए खंड पंचायत अधिकारी अभिलाख सिंह आदि शामिल हैं। राज एक्सप्रेस समाचार पत्र में लगातार प्रकाशित होती झाडेलए गणेशखेड़ा व पाडौदा आदि पंचायतों की अनियमितताएं और शासकीय धनराशि का दुरूपयोग को लेकर कई मामले गर्माए हुए थे। इसके बाद सख्त कदम उठाते हुए सीईओ ब्रम्हेन्द्र गुप्ता ने ग्राम पंचायत झाडेलए गणेशखेड़ा व पाडौदा में हुए करोड़ों के विकास कार्यों की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। उक्त जांच दल 7 दिवस में अपनी जांच रिपोर्ट जनपद पंचायत सीईओ को प्रस्तुत करेगा।

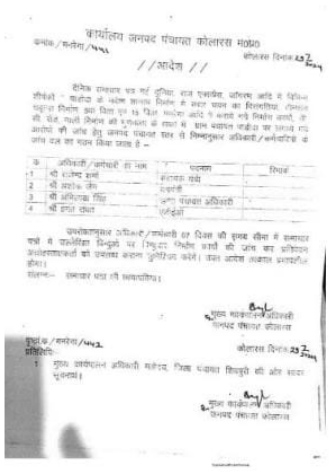

हिंदू संगठन ने गोवंश से भरा ट्रक पकड़ कर पुलिस के हवाले किया दो गोंवस तस्करों को

शिवपुरी । आजाद समाचार । अब पुलिस का काम बजरंग दल और हिन्दू संगठनों को करना पड़ रहा है । यहां समानान्तर पुलिसिग चल रही है। शिवपुरी में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने गौवंश से भरा मिनी एक ट्रक को मंगलवार रात पकड़ा है। मिनी ट्रक से 11 गौवश बरामद हुए है। बताया गया है कि गवश को आगरा के बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने दो गौ तस्करों को पकड़कर देहात थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। बता दें गौ तस्करों ने मिनी ट्रक पर अलग. अलग नंबर की दो प्लेट लगाकर रखी थी। जानकारी के मुताबिक विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल को गौ तस्करी की सूचना मिली थी। इस सूचना से विश्व हिन्दू परिषद के विनोद पुरी गोस्वामी बजरंग दल से संदीप चौहान उदय राजपूत विकास राजा राठौर ने ककरवाया क्षेत्र में मंगलवार रात डेढ़ बजे एक मिनी ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक में 11 गौ वंश को भरकर ले जाया जा रहा था। मिनी ट्रक से दो गौ तस्कर भी पकड़े गए थे। सभी गौसेवकों ने दोनों तस्करों को पकड़कर मिनी ट्रक सहित गौ वंश को देहात थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

एसडीएम श्रीवास्तव ने आवारा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर भेजने का किया अभियान शुरू

कोलारस। कोलारस अनुविभाग में एसडीएम का प्रभार संभालते ही अनुविभागीय अधिकारी अनूप श्रीवास्तव ने राजस्व महा अभियान को गति देने के साथ.साथ गौवंश की सुरक्षा का भी अभियान जारी कर दिया है। और इसमें अधिक से अधिक समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी का आह्वान किया है। लगातार आवारा जानवरों के सड़कों पर विचरण करने से कई दुखद दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहीं आए दिन वाहनों से टकराकर गौवंश भी दम तोड रहा है। इन दोनों परेशानियों से बचने के लिए एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने सीएमओ संजय श्रीवास्तव और पशु चिकित्सा अधिकारी से मिलकर गौ रक्षा के लिए और असमय दुर्घटनाओं पर रोक के लिए गौवंश को गौशालाओं में भेजने का अभियान चला दिया है।

वाहनों के आवाजाही में होगी सुविधा और हादसों में आएगी कमी

मामला सेवानिवृत्त शिक्षक से पेंशन प्रकरण में रूपये माँगने का

करैरा बीईओ कार्यालय के बाबू को किया निलबित, और डीडीओ को दिया साथ दिवस का नोटिस

करैरा ।आजाद समाचार ।

शिवपुरी जिले के करैस विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड.2 पीके शर्मा को संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा दीपक कुमार पांडे ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं करैरा के डीडीओ बीएल प्रजापति को इसी मामले में पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता के चलते नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई बाबू शर्मा द्वारा सेवानिवृत शिक्षक दयाचंद्र गुप्ता मावि खराई के सेवानिवृति स्वत्वों के भुगतान न करने मीडिया में सामने आने पर शिवपुरी डीईओ समर सिंह राठौड द्वारा मामले की जांच उपरांत भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर की गई है। जेडीई पांडे द्वारा जारी आदेश के मुताबिक जारी बाबू शर्मा द्वारा शिक्षक गुप्ता के पेंशन प्रकरणों के निराकरण को लेकर अनाधिकृत रूप से राशि मांगे जाने तथा दायित्वों के प्रति उदासीनता बरतने के चलते डीईओ समर सिंह राठौड़ ने जांच प्रतिवेदन में बाबू शर्मा को दोषी पाया थी। निलंबन अवधि में बाबू शर्मा का मुख्यालय बीईओ कार्यालय खनियाधाना रखा गया है।

वहीं डीडीओ प्रजापति को जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि डीईओ की जांच में पदीय दायित्वों के प्रति प्रजापति की उदासीनता परिलक्षित हुई हैए जो कदाचरण की श्रेणी में आता हैए क्यों न इस ज़ मामले में कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाए। सात दिन में डीडीओ प्रजापति से जेडीई ने जबाब तलब किया है।

इनका कहना है

शिवपुरी जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस मामले में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया थाए जिसमें प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर सहायक ग्रेड.

2 प्रदीप शर्मा को निलंबित कर दिया है जबकि आहरण संवितरण अधिकारी बीएल प्रजापति को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है ।

दीपक कुमार पांडे
जेडीई शिक्षा ग्वालियर

स्वताअधिकारी व प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक बृजेश पाठक को आजाद प्रेस पंडित दीनदयाल नगर करैरा जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रित ।(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र करैरा रहेगा) मोबा. 9424 60 9137